सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 01 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 13 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

संपादक की कलम से....

निष्ठा एवं समर्पण के सत्रह वर्ष

सफलता की पहली, दूसरी और अंतिम शर्त की बात करें तो यह सिर्फ और सिर्फ निष्ठा और समर्पण होगा। निष्ठा होगी तो काम की समझ भी पैदा होगी, आवश्यक कौशल भी हस्तगत होगा और अंततः पुरस्कार भी प्राप्त होगा। यही विद्यार्थी जीवन से लेकर कर्मजीवन तक को सफल बनाने का एकमात्र तरीका हो सकता है। यही वह कारण है कि जब दुनिया भर के किसी भी सफल इंसान के जीवन को देखते हैं तो पाते हैं कि उसका आरंभ बहुत छोटा और तुच्छ रहा है। पर लगातार किये गये प्रयास से उन्होंने अपरिमित सफलता हासिल की है। यही वह सूत्र था जिसे हमने अपना ध्येय वाक्य बनाया। न केवल स्वयं बल्कि अपने साथ जुड़ने वाले प्रत्येक सदस्य में इसी गुण को देखा या विकसित किया। आज से ठीक सत्रह वर्ष पहले श्रीकंचनपथ की नींव रखी गई थी। संस्थापक श्रीमती रजनी अग्रवाल की प्रेरणा से शुरू किया गया यह सांध्य दैनिक तमाम तरह की चुनौतियों का सामना करने को तैयार था। केवल हौसला और कठिन परिश्रम की पूंजी लेकर हमने यह महायज्ञ प्रारंभ किया। चारों तरफ हम नित नए अखबारों को शुरू होते, लड़खड़ाते और बंद होते देख रहे थे। आरंभिक दिनों में शायद लोगों को हमसे भी ज्यादा उम्मीद नहीं थी। पर धीरे-धीरे हमने न केवल लोगों का विश्वास हासिल किया बल्कि प्रकाशन की निरंतरा को बनाए रखा। हमने इस बात का भी ध्यान रखा कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करेंगे। उत्कृष्ट मुद्रण और निरंतरता ने हमें न केवल मजबूत किया बल्कि निरंतर नया सोचने और करने के लिए भी प्रेरित किया। समय के साथ अखबार रंगीन भी हुआ। फिर वेबसाइट के जरिए इसका डिजिटल प्रकाशन भी प्रारंभ हो गया। इसके साथ ही श्रीकंचनपथ एक समूह के रूप में आगे बढ़ने के लिए तैयार हो गया। डिजिटल एडवर्टाइजिंग के क्षेत्र में पदार्पण से हम एक ऐसे क्षेत्र में प्रवेश कर गए जहां हमारी पहुंच दूर-दराज के क्षेत्रों तक हो गई। इसके साथ ही हमने शुरू कर दी नए दौर की पत्रकारिता। यूट्यूब और इंस्टाग्राम के प्लेटफार्म पर हमने अपनी धाक जमा ली। इसके साथ ही 16 साल पहले देखा गया हमारा सपना भी सच हो गया। हम शहर के सबसे तेज और सबसे ज्यादा प्रसारित डिजिटल मीडिया बन गये। आज श्रीकंचनपथ समूह 17वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इसके साथ ही हम आपसे और अपने आप से वायदा करते हैं कि हम आम आदमी के अपने मीडिया के रूप में अपनी पहचान को बनाए रखने के लिए कृतसंकल्प रहेंगे।

– राजेश अग्रवाल

कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस में सीएम साय ने की प्रदेश के कानून व्यवस्था की समीक्षा

सीएम साय बोले- महिला व बालिकाओं से संबंधित अपराधों में पुलिस विभाग तत्परता से करे कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस का दूसरे दिन सीएम साय ने सोमवार को प्रदेश की कानून व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री साय ने उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और कई बिंदुओं पर पुलिस विभाग के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। बैठक में गृह मंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव विकास शील, अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह सहित रेंज आईजी, कलेक्टर, एसपी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान सीएम साय ने महिला व बालिकाओं से संबंधित अपराधों में तत्परता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

नवा रायपुर के मंत्रालय भवन में आयोजित कलेक्टर व एसपी की कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विभिन्न अपराधिक मामलों की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में अपराध के ग्राफ की जानकारी ली। सभी रेंज के पुलिस महानिरीक्षकों व सभी जिलों के एसपी व अन्य राजपत्रित अधिकारियों की मौजूदगी में नवीन कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर दिशा निर्देश दिए। अपसरों ने बताया कि प्रदेश में नए अपराधिक कानूनों व उसके तय मापदंडों के अनुसार की कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महिला और बालिका से जुड़े आपराधिक मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई होनी चाहिए। इन अपराधों से जुड़े मामलों में निर्धारित समयावधि में चालान प्रस्तुत कर पीडित पक्ष को न्याय दिलाया जाए।

रोज बदल रहे साइबर क्राइम के तरीके, लोगों को करें जागरुक

समीक्षा के दौरान सीएम साय ने साइबर क्राइम के बढ़ते ग्राफ पर चिंता जताई। उन्होंने कहा में साइबर क्राइम के तरीके रोज ही बदल रहे हैं। अपराधी नए नए तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। सीएम साय ने अधिकारियों से कहा कि साइबर अपराध के तरीकों व इससे बचाव की जानकारी लोगों को दी जाए। अंतर्विभागीय समन्वय के साथ लगातार साइबर जागरूकता अभियान चलाने की विशेष पहल होनी चाहिए। साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर का व्यापक रूप से हो प्रचार-प्रसार होना चाहिए। इस दौरान सीएम साय ने कहा कि रेंज लेवल में 5 साइबर थाने संचालित हो रहे हैं आगामी दिनों में 9 थानों का संचालन किया जाएगा।

नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय करें

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के व्यापार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सीएम साय ने कहा कि नशे से अन्य अपराधों को बढ़ावा मिलता है इसलिए अभियान चलाकर कार्रवाई करें। अंतरराज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाएं ताकि गांजा व अन्य मादक पदार्थों की तस्करी रोका जाए। सीएम साय ने कहा कि एनडीपीएस एक्ट के मामलों में समय सीमा में कार्रवाई हो और नशाखोरी के खिलाफ व्यापक मुहिम चलाकर युवाओं को जागरूक करें।

सड़क सुरक्षा पर करें विशेष फोकस

मुख्यमंत्री साय ने सड़क सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने के कारण सड़कों पर हादसे बढ़ रहे हैं। सड़क सुरक्षा मानकों का पालन न करने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। सभी जिलों में पुलिस व यातायात विभाग इस पर विशेष ध्यान दें। दो पहिया चलाने वाले यदि बिना हेलमेट के हैं और यदि कार चालक सीट बेल्ट लगाए तो इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करें ताकि उनमें कानून का भय हो। इसी तरह ब्लैक स्पॉट को चिन्हांकित कर दुर्घटना के कारणों को दूर करें।

अवैध शराब को लेकर विवाद में युवक की मौत, साथी गंभीर रूप से घायल

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के तिफरा क्षेत्र में अवैध शराब को लेकर हुए विवाद में एक युवक की मौत हो गई और उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है और इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, किशन यादव और साहिल खटीक दोस्त थे। बीती रात लगभग रात 3 बजे दोनों सीपत लूथरा से बिलासपुर के तिफरा इलाके में अवैध शराब खरीदने के लिए पहुंचे। शराब लेने की तलाश में दोनों शराब दुकान के पास गए, जहां उन्होंने ब्लैक मार्केट में शराब उपलब्ध कराने वाले युवकों से संपर्क किया।

स्थानीय युवकों ने उन्हें एक पाव शराब की कीमत 250 रुपये बताई। किशन और साहिल ने कीमत अधिक होने की आपत्ति जताई। इसी बहस के दौरान वहां मौजूद कुछ बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। हमला इतना हिंसक था कि साहिल खटीक की मौके पर ही मौत हो गई। किशन यादव को भी गंभीर चोटें आई हैं। उनके आंख और मुंह के पास गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल किशन यादव को सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि वह अभी भी गंभीर हालत में हैं और इलाज चल रहा है।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले लालू परिवार को बड़ा झटका आईआरसीटीसी मामले में आरोप तय, करेंगे ट्रायल का सामना

2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहते लगे थे भ्रष्टाचार के आरोप

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले लालू परिवार को बड़ा झटका लगा है। लालू यादव के रेलमंत्री रहते कथित आईआरसीटीसी घोटाले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप तय कर दिए हैं। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने इस मामले में सोमवार को यह आदेश पारित किया।

यह मामला 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल के दौरान आईआरसीटीसी होटलों के रखरखाव के ठेकों के आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोपों से संबंधित है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोप लगाया है कि लालू यादव, जो 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहे, ने अपनी स्थिति का दुरुपयोग करते हुए निजी कंपनी सुजाता होटल्स को रांची और पुरी में दो आईआरसीटीसी होटलों के पट्टे के लिए अनुचित तरीके से ठेके दिए।

इस मामले में सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव के खिलाफ भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) घोटाले से संबंधित एक मामले में भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप तय किए हैं। इतना ही नहीं इसके बदले में, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव से जुड़ी एक कंपनी को बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर करोड़ों की जमीन हस्तांतरित की गई। कोर्ट ने लालू यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप तय किए, जबकि राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर भी साजिश और धोखाधड़ी के कई अपराधों के आरोप लगाए गए हैं।

कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ उनकी कथित भूमिका के आधार पर अलग-अलग धाराओं में आरोप तय किए थे। राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर धोखाधड़ी और षड्यंत्र रचने के अपराध के लिए आईपीसी की धारा 420 और 120बी के तहत आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि वे मुकदमे का सामना करेंगे। कोर्ट ने अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं। इस पूरे मामले को लेकर लालू प्रसाद यादव, राबड़ी यादव और तेजस्वी यादव ने आरोपों को स्वीकार करने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि वो ट्रायल का सामना करेंगे।

खेत में मिली कृषि विस्तार अधिकारी की लाश, करंट से मौत की आशंका

■ रायगढ़ जिले के लैलूंगा थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले के खम्हार गांव में एक आरईओ (कृषि विस्तार अधिकारी) की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि, अधिकारी गांव में देर रात अपना खेत देखने गया हुआ था। इसी दौरान जंगली सूअर फंसाने के लिए बिछाए गए तार में वह चपेट में आ गया। काफी देर बाद जब अधिकारी वापस घर नहीं लौटा तो परिजन उसकी तलाश में खेत तक पहुंचे, यहां कृषि विस्तार अधिकारी की लाश पड़ी हुई थी।

मिली जानकारी के मुताबकि, लाल कुमार साहू (40), ग्राम खम्हार रहने वाला था और वर्तमान में गुड्डबाहाल बहमा में कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर पदस्थ था। रविवार को वह अपने भेलवाटोली स्थित खेत में काम करने गया था और रात में काम खत्म कर घर लौट आया। रात करीब 9 बजे वह दोबारा किसी कृषि कार्य से अपने खेत गया। इस बीच किसी व्यक्ति ने खेत में जंगली सुअर को मारने के लिए करंट प्रवाहित तार बिछा दिया था। उसी की चपेट में आने से लाल कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। बहरहाल पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। लैलूंगा थाना प्रभारी रोहित बंजारे ने वैधानिक कार्रवाई और जाँच की बात कही है। दूसरी तरफ लाल कुमार साहू के मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

बीजापुर में एसटीएफ जवान घायल, प्रेशर आईईडी नक्सलियों ने किया विस्फोट

बीजापुर। नक्सल प्रभावित जिले बीजापुर में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच चल रहे संघर्ष के बीच सोमवार को एक बार फिर नक्सलियों की कायराना हरकत सामने आई है। भोपालपट्टनम थाना क्षेत्र के अंतर्गत एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) की टीम एरिया डोमिनेशन पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी में जबरदस्त विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में आने से एक सशस्त्र जवान घायल हो गया। सूत्रों के अनुसार, घायल जवान को तत्काल मौके से निकालकर प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी कैंप लाया गया, जहाँ प्रारंभिक इलाज के बाद उसे बेहतर उपचार हेतु चॉपर के माध्यम से रायपुर के हायर सेंटर भेजा गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र मीना ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घायल जवान की स्थिति अब सामान्य है और वह खतरे से बाहर है। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां आसपास के इलाकों में नक्सलियों की गतिविधियों का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

नारायणपुर में नक्सलियों की साजिश नाकाम, तीन कुकर बम फोर्स ने किया नष्ट

नारायणपुर जिले में पुलिस ने थाना कोहकामेटा क्षेत्र के ग्राम कोडलियार बिचपारा के जंगलों से तीन नग कुकर बम बरामद किए, जिन्हें बाद में नष्ट कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि नारायणपुर जिले में सर्चिंग पर निकले जवानों ने एक बार फिर नक्सलियों के नापाक मंसूबों को विफल कर दिया। सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों ने पांच-पांच किलो वजनी ती नग कमांड कुकर आईईडी बम लगाए थे। नक्सलियों ने ये कुकर बम नारायणपुर जिले के थाना कोहकामेटा क्षेत्र के ग्राम कोडलियार बिचपारा और नीचेपारा के बीच के जंगलों में लगाए थे। सर्चिंग के दौरान जवानों को तीन नग कुकर कमांड आईईडी बरामद हुए। सभी आईईडी का वजन पांच-पांच किलोग्राम बताया गया। सुरक्षा बल की बीडीएस टीम ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सभी बमों को नष्ट कर दिया। इसके अलावा, शनिवार को नक्सलियों की सूचना पर दंतेवाड़ा जिले के बारसूर क्षेत्र में पुलिस बल भेजा गया था, जहां से पांच पुरुष नक्सलियों के साथ एक महिला नक्सली को भी गिरफ्तार किया गया। उनके पास से भी आईईडी बरामद किए गए हैं।

संपादकीय

दो साल की तरह धान खरीदी 15 नवंबर से

छत्तीसगढ़ की राजनीति में किसानों को बड़ा महत्व है। चुनावी हारजीत में उनकी निर्णायक भूमिका होती है। जो राजनीतिक दल उनको सबसे ज्यादा प्रभावित करता है,यह साबित करने में सफल रहता है कि वही उसका सबसे बड़ा हितैषी है तो चुनाव में उस राजनीतिक दल के जीतने की संभावना ज्यादा होती है।यही वजह है कि जब भी धान खरीदी होती है तो सरकार उसे पूरी गंभीरता से लेती है और किसानों को यह बताने का प्रयास करती है कि पिछली सरकार से हमारी धान खरीदी की व्यवस्था ज्यादा अच्छी है, धान खरीदी में हमने किसानों का ज्यादा अच्छे से ख्याल रखा है।

वही जो राजनीतिक दल सत्ता में नहीं रहता है वह सरकार की धान खरीदी की तारीख से लेकर हर तरह की व्यवस्था को अपर्याप्त बताता है। साय सरकार ने पिछली बार की तरह इस बार भी धान खरीदी 15 नवंबर से करने की घोषणा की है। सरकार की इस बार की धान खरीदी नीति के अनुसार धानखरीदी 15 नवंबर से 31 जनवरी तक होगी। इस दौरान 25 लाख किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदा जाएगा। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बाद पैसे का भुगतान सात दिन में किया जाएगा तथा अंतर की राशि अलग से दी जाएगी। इस बार धान खरीदी में पारदर्शिता के लिए एग्रीस्टेक पोर्टल में किसान पंजीयन अनिवार्य किया गया है। इससे किसान की सही पहचान हो सकेगी तथा डुप्लीकेशन व दोहराव की समस्या नहीं होगी।

इस बार डिजिटल क्राप सर्वे कराया गया है ताकि धान बेचने व खरीदने में कोई गड़बड़ी न हो। पिछली बार की तरह इस बार भी किसानों को धान बेचने में किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए टोकन की व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था आनलाइन होने के कारण किसानों को टोकन लेने में कोई दिक्कत नहीं होगी। किसान अपनी सुविधा के अनुसार टोकन ले सकते हैं और धान बेच सकते हैं। इस बार धान खरीदी के लिए 2730 धान खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। पिछली बार की तरह इस बार भी 160 लाख धान खरीदी की लक्ष्य है। इस बार राज्य सरकार को सेंट्रल पूल में 73 लाख टन चावल देना है। इस बार यह निर्णय किया गया है कि समिति द्वारा खराब धान यानी शून्य सुखत की स्थिति में लाई जाती है तो उसे 5 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

धान खरीदी के लिए बारदाने की व्यवस्था जरूरत के हिसाब से की जाएगी। अन्य राज्यों से आने वाले धान को रोकने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में कड़ी निगरानी की जाएगी। सरकार की कोशिश होती है कि किसानों से पिछली बार से ज्यादा धान खरीदा जाए, इसलिए धान खरीदी का लक्ष्य ज्यादा रखा जाताहै। इस बार धान उत्पादन ज्यादा होने की संभावना है इसलिए उम्मीद है कि पिछली बार ज्यादा धान खरीदा जाएगा। पिछली बार 24.81 लाख किसानों से 149 लाख टन धान की खरीदी की गई थी, इस बार हो सकता है कि इस बार इससे ज्यादा खरीदी की जाए। पिछली बार किसानों को तीस हजार करोड़ का भुगतान किया गया था इस बार इससे ज्यादा का भुगतान हो।

राज्य में सरकार किसी की भी हो धान खरीदी की तारीख को लेकर विवाद तो होता है, सरकार ने 15 नवंबर धान खरीदने का फैसला किया है तो कांग्रेस मांग कर रही है कि सरकार को एक नवंबर से धान खरीदी शुरू करना चाहिए। कांग्रेस का कहना है कि एक नवंबर तक किसानों का धान खेत से खलिहान तक बेचने के लिए तैयार हो जाता है, यदि 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू की जाती है तो किसानों के इसके लिए 15 दिन इंतजार करना होगा। कांग्रेस का यह भी कहना है कि किसानों को पंजीयन में परेशानी हो रही है इस वजह अब तक 21 लाख किसानों का ही पंजीयन हो सका है। पिछले साल 28 लाख किसानों ने धान बेचा था इस हिसाब से अब तक 7 लाख किसानों का पंजीयन होना है। कांग्रेस का कहना है सरकार ने 25 लाख किसानों का धान खरीदने की बात कही है इसका मतलब है कि वह इस बार सभी किसानों का धान नहीं खरीदने वाली है।

कांग्रेस के बाद भारतीय किसान संघ ने धान खरीदी को लेकर अपनी अलग मांगें की है तथा अपनी मांगों को लेकर 13 अक्टूबर को सीएम हाउस का घेराव करने की घोषणा की है। भारतीय किसान संघ का कहना है कि सरकार दो वर्ष के समर्थन मूल्य की वृध्दि 186 रुपए जोड़कर इस बार धान खरीदी 3286 रुपए में करे।जहां तक समर्थन मूल्य में वृध्दि की बात है तो केंद्र सरकार हर साल इसमें वृध्दि करती है लेकिन राज्य सरकार चाहे वह भूपेश बघेल की रही हो या साय सरकार हो वह इसे जोड़कर नहीं देती है। भूपेश सरकार ने 2500 रुपए में धान खरीदने की घोषणा थी उसने हर साल इतने में ही धान खरीदा और उनको समर्थन मूल्य जोड़कर देने की जरूरत इसलिए नहीं है कि क्योंकि वह देश में किसानों को धान का मूल्य सबसे ज्यादा दे रहे हैं। जो बात भूपेश सरकार कहती है, वह बात साय सरकार भी कह सकती है कि हम तो किसानों को पहले से पूरे देश में सबसे ज्यादा पैसा दे रहे हैं। इसलिए हमको समर्थन मूल्य जोड़कर देने की जरूरत नहीं है। यह यहां के सरकारों की परंपरा है, साय सरकार भी इस परंपरा को निभा रही है तो इसमें गलत कुछ नहीं है।

आदि कर्मयोगी अभियान से जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने की ऐतिहासिक पहल

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला की माटी अपने भीतर परिश्रम, परंपरा और प्रकृति के प्रति गहरी आस्था को संजोए हुए है। यहाँ की धरती ने हमेशा समाज को यह सिखाया है कि विकास केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि समाज की चेतना और सहभागिता से संभव होता है। यहाँ के जनजातीय समाज ने सदियों से इस धरती को अपनी मेहनत, संस्कृति और आत्मगौरव से जीवंत बनाए रखा है। इन्हीं जनजातीय समाज को शासन की योजनाओं से जोड़ने, आत्मनिर्भरता की राह पर ले जाने और विकास की मुख्यधारा में सहभागी बनाने के लिए भारत सरकार ने एक ऐतिहासिक पहल की गई।

Village Action Plan से विकसित हो रही आत्मनिर्भरता और आदिवासी समाज का नया भविष्य

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान की शुरुआत किया गया । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और जनजातीय गौरव वर्ष की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ यह अभियान शासन की उस अवधारणा को साकार करता है जिसमें सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास को धरातल पर दिखाने के लिए अभियान को बनाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य है जनजातीय समाज में उत्तरदायी नागरिक का निर्माण करना, शासन और सेवा के बीच सीधे संवाद को सशक्त बनाना, और स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता व आत्मनिर्भरता विकसित करना मुल मकशद है ।

भारत सरकार ने इस अभियान के अंतर्गत देशभर में हजारों आदिवासी बसाहटों में आदि सेवा केन्द्र स्थापित करने की योजना बनाई है, जहाँ स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित आदि साथी और आदि सहयोगी समुदायों को शासन की योजनाओं से जोड़ रहे हैं। ये केन्द्र ग्राम स्तर पर सूचना, सेवाओं और सशक्तिकरण का संगम बनकर उभर रहा हैं। छत्तीसगढ़ का मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला आदि कर्मयोगी अभियान के क्रियान्वयन से एक मॉडल जिला बन गया है। यहाँ जिला प्रशासन ने न केवल इस अभियान को गंभीरता से लागू किया, बल्कि इसे स्थानीय समाज की संस्कृति और जरूरतों से जोड़कर एक जीवंत जनभागीदारी का स्वरूप दे दिया। जिला प्रशासन, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत और जनजातीय समुदाय ने मिलकर सेवा से स्वावलंबन की दिशा में ठोस कार्य किया है। इस जिले की संरचना और आंकड़े बताते हैं कि किस व्यापक दृष्टिकोण से यह अभियान यहाँ लागू हुआ है। विकासखंड मनेन्द्रगढ़ में कुल 54 ग्राम हैं जिनमें 8,421 परिवार निवास करते हैं और यहाँ की कुल जनसंख्या 37,093 है। वहीं विकासखंड खड़गवां में 42 ग्राम है, जिसमें 9,153 परिवार निवास करते हैं और यहां की कुल जनसंख्या 42,332 है। वहीं भरतपुर विकासखंड में 55 ग्रामों में 8,981 परिवार निवास करते है, और कुल जनसंख्या 34,453 निवासरत है। इन तीनों विकासखंडों का कुल योग 151 ग्राम में 26,555 परिवार निवास करते है, वहीं 1,13,878 की जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है। जिसे आदि कर्मयोगी अभियान ने विकास के केंद्र में रखा है।

आदि सेवा केन्द्र से शासन की सभी योजनाएं सीधे गाँव तक पहुँच रही

एमसीबी जिले में इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है कि हर चिन्हांकित बसाहट में आदि सेवा केन्द्र की स्थापना की गई है जिले की 151 ग्राम बसाहटों में 151 केन्द्र स्थापित और संचालित किए जा चुके हैं। इन केन्द्रों के माध्यम से शासन की सभी योजनाएँ सीधे गाँव तक पहुँच रही हैं। प्रत्येक केन्द्र में स्थानीय समुदाय के ही आदि साथियों द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो सरकार और समाज के बीच जनभागीदारी निभा रहे हैं। इन केन्द्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक कल्याण से जुड़ी सेवाएँ उपलब्ध हैं। नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय के लोग न केवल योजनाओं की जानकारी पा रहे हैं, बल्कि उनमें सहभागिता भी निभा रहे हैं। जिले में कुल 2686 आदि साथी और 473 आदि सहयोगी नियुक्त किए गए हैं, जो अपने ग्रामों में विकास की धारा प्रवाहित कर रहे हैं। इनकी भूमिका सिर्फ योजनाओं को पहुँचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ये ग्राम स्तर पर नेतृत्व, प्रबंधन और संवाद की नयी संस्कृति विकसित कर रहे हैं। यह पहला अवसर है जब जनजातीय समाज के युवाओं को शासन व्यवस्था के साथ नेतृत्व करने की भूमिका में जोड़ा गया है।

Village Action Plan से तैयार होगा विकास का जमीनी खाका

आदि कर्मयोगी अभियान की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है कि प्रत्येक चिन्हित ग्राम के लिए Village Action Plan तैयार करना है। यह VAP प्रत्येक ग्राम की आवश्यकताओं, समस्याओं और संभावनाओं के आधार पर तैयार किया गया है। एमसीबी जिले के सभी 151 चिन्हित ग्रामों के VAP तैयार किए जा चुके हैं, और उन्हें पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। यह प्रक्रिया प्रशासनिक पारदर्शिता और जन सहभागिता का अद्भुत उदाहरण है। इन VAP में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, स्वच्छता, कृषि, महिला सशक्तिकरण, आजीविका, पोषण, वन उत्पाद मूल्यवर्धन, पषुपालन, पर्यटन और डिजिटल साक्षरता जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। इन योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक ग्राम को आत्मनिर्भर, सशक्त और स्वावलंबी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ग्रामसभा और पंचायतों की सहभागिता के साथ यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी ग्राम का विकास बाहरी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि स्थानीय जरूरतों और संस्कृति को ध्यान में रखकर किया जाए। यही कारण है कि यह अभियान नीति से नीति तक नहीं, नीति से नीति निर्माण तक की दिशा में बढ़ता हुआ दिखता है।

प्रशासनिक प्रतिबद्धता और विभागीय समन्वय से गढ़ी जायेगी विकास की नई परिभाषा

एमसीबी जिले में इस अभियान का प्रशासनिक संचालन अत्यंत संगठित ढंग से किया जा रहा है। विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से यह सुनिश्चित किया गया है कि सभी विभाग अपने क्षेत्र की योजनाओं के अनुरूप संचालित किया जायेगा। सभी ग्रामों से प्राप्त VAP का अध्ययन कर विभागवार एक जिला स्तरीय कार्य योजना तैयार की जा रही है, इसमें प्रत्येक विभाग का दायित्व स्पष्ट किया गया है जिसमें शिक्षा विभाग को विद्यालयों की गुणवत्ता सुधारनी है, स्वास्थ्य विभाग को दूरस्थ क्षेत्रों तक सेवाएँ पहुँचानी हैं, महिला एवं बाल विकास विभाग को पोषण मिशन को मजबूत बनाना है, कृषि विभाग को आत्मनिर्भर खेती मॉडल विकसित करना है, जबकि पंचायत विभाग को सामुदायिक संस्थाओं के प्रशिक्षण और सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करना है।

"आदि कर्मयोगी अभियान" जनजातीय गौरव और नवाचार का संगम

आदि कर्मयोगी अभियान ने यह सिद्ध किया है कि जनजातीय समाज को केवल योजनाओं का लाभार्थी बनाकर नहीं, बल्कि योजनाओं का निर्माता बनाकर सशक्त किया जा सकता है। यह अभियान सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की आधारशिला रख रहा है। इस अभियान ने शासन के पारंपरिक ढांचे को भी चुनौती दी है। पहले जहाँ योजनाएं ऊपर से नीचे आती थीं, अब योजनाएँ नीचे से ऊपर बन रही हैं। हर आदि साथी एक प्रेरक है, हर आदि सेवा केन्द्र एक परिवर्तन का स्थल है, और हर ग्राम अब एक जीवंत इकाई बन चुका है जो स्वयं निर्णय ले रहा है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों में यह अभियान जनजातीय गौरव को पुनर्स्थापित कर रहा है। गाँवों में अब युवा डिजिटल साक्षर हो रहे हैं, महिलाएँ स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका के नए अवसर खोज रही हैं, बच्चे शिक्षा की मुख्यधारा में लौट रहे हैं और समुदाय अपने पर्यावरण के साथ संतुलन बनाए रखते हुए आधुनिकता की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

भविष्य में ग्राम से राष्ट्र तक होगा आदि कर्मयोगी का विस्तार

आदि कर्मयोगी अभियान एक दीर्घकालीन दृष्टि का प्रतीक है। यह केवल वर्तमान की योजनाओं को लागू करने तक सीमित नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का माध्यम भी है। जब देश विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, यह अभियान उस भारत की नींव तैयार कर रहा है जो आत्मनिर्भर, उत्तरदायी और समावेशी होगा। एमसीबी जिला आदि कर्मयोगी अभियान का प्रतीक बन चुका है। यहाँ की बसाहटों में स्थापित आदि सेवा केन्द्र और तैयार Village Action Plan ने देश के अन्य जनजातीय जिलों के लिए आदर्श बन चुके हैं। आने वाले समय में यह मॉडल पूरे भारत में जनजातीय विकास का मानक बनेगा।

कम जल खपत वाली धान की नई किस्म एमटीयू 1156 एवं 1153 से अधिक उपज-कीट एवं व्याधि के प्रति प्रतिरोधी फसल

शशिरत्न पाराशर

प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण एवं रत्नागर्भा कहलाने वाला जिला धमतरी वनों से आच्छादित है तथा इसे नैसर्गिक संपदा का वरदान प्राप्त है। महानदी के उद्गम स्थल के रूप में प्रसिद्ध यह जिला सुनिश्चित सिंचाई क्षेत्र के विस्तृत रकबे के लिए भी जाना जाता है। मेहनतकश किसानों द्वारा खरीफ एवं रबी दोनों मौसम में बड़े पैमाने पर धान की खेती की जाती है। धान फसल के लिए उपयुक्त जलवायु एवं उपजाऊ भूमि के कारण इस जिले को 'धनहा धमतरी' के नाम से भी जाना जाता है।

कृषि के क्षेत्र में निरंतर प्रगति के साथ-साथ भूमिगत जल स्रोतों के संरक्षण की आवश्यकता भी बढ़ी है। चूंकि जिले में बड़े पैमाने पर धान की पैदावारी की जाती है, जिससे जल की अधिक खपत होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिकों ने कम जल खपत वाली नई धान की किस्में विकसित की हैं। जिला धमतरी में एमटीयू श्रृंखला की दो नई किस्में-एमटीयू 1153 (चन्द्रा) एवं एमटीयू 1156 (तरंगिनी)-किसानों को प्रदर्शन फसल के रूप में उपलब्ध कराई गई हैं।

एमटीयू 1153 (चन्द्रा)

एमटीयू 1153 किस्म को वर्ष 2015 में विकसित किया गया। यह मध्यम अवधि की किस्म है, जो लगभग 115 से 120 दिनों में पककर तैयार होती है। इसकी पौध की ऊँचाई कम तथा तना मजबूत होने के कारण फसल गिरने (लॉगिंग) की संभावना नगण्य होती है। यदि फसल गिर भी जाए तो जल अंकुरण की समस्या नहीं होती। इसमें दो सप्ताह की सुसुप्ता अवस्था का गुण पाया जाता है। यह ब्लास्ट एवं भूरा माहू जैसी प्रमुख बीमारियों के प्रति प्रतिरोधी है। अनुकूल परिस्थितियों में इसकी औसत उपज 60 से 70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त की जा सकती है।

एमटीयू 1156 (तरंगिनी)

एमटीयू 1156, जिसे वर्ष 2015 में राइस रिसर्च स्टेशन मरूतेरू द्वारा विकसित किया गया, मध्यम अवधि की उच्च उपज देने वाली किस्म है। इसके दाने लंबे, पतले तथा उच्च प्रसंस्करण गुणवत्ता वाले होते हैं, जिससे टूटने की संभावना कम रहती है। यह किस्म 115 से 120 दिनों में पक जाती है तथा तना मजबूत होने से फसल गिरने की संभावना कम रहती है। यह भी ब्लास्ट एवं भूरा माहू रोगों के प्रति प्रतिरोधी है। इसकी औसत उपज 60 से 70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पाई जाती है।

विक्रम टीसीआर

विक्रम टीसीआर किस्म उच्च पैदावारी के लिए विकसित की गई है, जिसकी उत्पादन क्षमता 60 से 70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म 125 से 130 दिनों में पकती है, कम पानी की आवश्यकता होती है तथा कीट-व्याधियों के प्रति प्रतिरोधी है।

कृषक अनुभव

विकासखण्ड धमतरी के ग्राम झिरिया में कृषक धमेन्द्र कुमार चन्द्राकर के खेत में नई किस्म एमटीयू 1156 का प्रदर्शन प्लॉट तैयार किया गया। उप संचालक कृषि द्वारा निरीक्षण कर कृषकों को आवश्यक समसामयिक सलाह प्रदान की गई। कृषक श्री चन्द्राकर ने बताया कि इस किस्म की खेती आसान है तथा कीट-व्याधि का प्रकोप कम होने से कृषि लागत में कमी आती है। यह उच्च उपज देने वाली फसल है तथा प्रति एकड़ 28 से 30 क्विंटल तक उपज मिलने की संभावना है।

तालिबान अब पाकिस्तान के खिलाफ भारत के साथ

संजय सक्सेना

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रिश्ते आज जिस दौर से गुजर रहे हैं, वह इतिहास का बड़ा सबक है। कभी तालिबान को आंख मूंदकर समर्थन देने वाला पाकिस्तान आज उसी तालिबान के खिलाफ मोर्चा खोल चुका है। यह वही पाकिस्तान है जो कभी तालिबान को भारत के खिलाफ भड़काने, आतंक के नये ठिकाने तैयार कराने और पूरे दक्षिण एशिया को अस्थिर करने का अपराध कर चुका है। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा कि अब वही तालिबान पाकिस्तान के गले की हड्डी बन गया है। यह हालात इस बात का प्रमाण हैं कि जो देश आतंक को पालते हैं, एक दिन वही आतंक उन्हें डसने लौट आता है।

जब अफगानिस्तान में अमेरिकी सेनाओं की वापसी हुई और अशरफगनी की निर्वाचित सरकार को तालिबान ने उखाड़ फेंका, उस वक्त पूरी दुनिया स्तब्ध रह गई थी। राजधानी काबुल में तालिबान की बंदूकें आजाद हुए लोगों की आजादी छीन रही थीं। उस दौर में कोई देश तालिबान सरकार को वैध नहीं मान रहा था, लेकिन पाकिस्तान सबसे आगे बढ़कर उसकी पैरवी करने लगा। इस्लामाबाद ने तालिबान को न केवल समर्थन दिया बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक वैकल्पिक सत्ता के रूप में स्वीकार कराने की कोशिशें भी कीं। पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई ने तालिबान की मदद के लिये अपने सीमावर्ती इलाकों को खुला छोड़ दिया, ताकि आतंक के नाम पर अफगानिस्तान की पूरी दिशा पाकिस्तान के हित में झुकी रहे।

परंतु यह गठबंधन शुरू से ही झूठ और लालच पर टिका था। पाकिस्तान चाहता था कि तालिबान सिर्फ उसके इशारों पर चले, भारत के खिलाफ इस्तेमाल हो और कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाए। लेकिन तालिबान की अपनी सत्ता की जड़ें जमने लगीं तो उसकी प्राथमिकताएं बदल गईं। तालिबान को समझ में आने लगा कि पाकिस्तान उसका इस्तेमाल कर रहा है और उसे वैश्विक पहचान दिलाने के बजाय आतंक का प्रतीक बनाकर रख देना चाहता है। तालिबान ने जब भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना शुरू किया, तभी पाकिस्तान के धैर्य का बांध टूट गया। हाल के दिनों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर जिस तरह के हमले हुए हैं, वे यही कहानी कह रहे हैं कि अब दोनों देशों के बीच विश्वास खत्म हो चुका है। पाकिस्तान ने तालिबान शासित अफगानिस्तान पर उन ही हथकंडों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है जो वह वर्षों से भारत के खिलाफ करता रहा है। सीमा पर हवाई हमले, ड्रोन घुसपैठ और रॉकेट हमले पाकिस्तानी सोच की उसी बीमार मानसिकता का हिस्सा हैं जो हमेशा अपने पड़ोसी देशों की स्थिरता को चुनौती देती रही है। इस बार अंतर केवल इतना है कि पाकिस्तान की यह बर्बरता अब भारत पर नहीं बल्कि अफगानिस्तान पर गिर रही है।

पाकिस्तान का यह कदम तब आया जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान भारत की यात्रा पर आने वाले थे। यह यात्रा तालिबान शासन के लिए ऐतिहासिक मानी जा रही थी क्योंकि भारत और अफगानिस्तान के बीच नए भरोसे की शुरुआत होने जा रही थी। भारत हमेशा से अफगानिस्तान के विकास और स्थायित्व के पक्ष में रहा है। भारत ने कभी आतंक की राजनीति नहीं की, बल्कि अफगान जनता के जीवन स्तर को सुधारने के लिए सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और मानव संसाधन के विकास पर काम किया। यही वजह है कि तालिबान के कई वर्गों में भारत के प्रति सहानुभूति पैदा हुई है। भारत ने अफगानिस्तान में कोई सैन्य हस्तक्षेप नहीं किया बल्कि हमेशा स्थायी शांति की वकालत की। पाकिस्तान को यही बात खटक रही है। उसे डर है कि अगर भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते सुधरते हैं तो उसका प्रभाव क्षेत्र समाप्त हो जाएगा। पाकिस्तान अपने धर्म आधारित राजनीतिक खेल में इतना डूबा है कि उसे यह समझ नहीं आता कि पड़ोसियों से दुश्मनी रखकर वह खुद अपने देश को विनाश की ओर धकेल रहा है। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पहले से ही चरमराई हुई है। वहां का समाज चरमपंथी विचारधारा में फंस चुका है और जनता लगातार महंगाई, बेरोजगारी और असुरक्षा से जूझ रही है। ऐसे में अफगानिस्तान से टकराव का नया मोर्चा खोलकर पाकिस्तान ने अपनी बर्बादी को और तेज कर दिया है।

उधर, तालिबान भी अब पाकिस्तान के दोहरे खेल को समझ चुका है। जिस पाकिस्तान ने कभी तालिबान को आश्रय दिया, अब वही उसकी सरकार गिराने की साजिशें रच रहा है। तालिबान नेताओं के खिलाफ पाकिस्तानी प्रचार, सीमा के पास उनके ठिकानों पर बमबारी, और उनके अधिकारियों को निशाना बनाने जैसी हरकतें यह साबित करती हैं कि पाकिस्तान को शांति नहीं, सत्ता और नियंत्रण चाहिए। लेकिन अब तालिबान किसी और के इशारे पर नहीं चलना चाहता। इस मौजूदा हालात में तालिबान ने पहली बार भारत के साथ संवाद कायम करने की इच्छा जताई है, जो पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा झटका है। भारत इस पूरे परिदृश्य में संतुलित नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत जानता है कि स्थायी शांति तभी संभव है जब अफगानिस्तान की धरती आतंक का केंद्र न बने। भारत का रुख साफ है कि वह किसी भी सरकार को तब तक मान्यता नहीं देगा जब तक वह लोकतंत्र, मानवाधिकार और महिलाओं की स्वतंत्रता के प्रति सम्मानजनक रुख न अपनाए। परंतु कूटनीतिक स्तर पर भारत यह भी समझता है कि बातचीत से ही समाधान का रास्ता निकलेगा। इसी सोच के तहत भारत ने तालिबान शासन से न्यूनतम स्तर पर संवाद बनाए रखा है और मानवीय सहायता जारी रखी है।

दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार बेनकाब हो रहा है। अपने ही बनाए तालिबान के खिलाफजंग छेड़कर उसने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि आतंक को राजनीतिक साधन बनाना एक दिन आत्मघाती साबित होता है। पाकिस्तान की नीतियां अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सवालों के घेरे में हैं। अमेरिका, रूस और चीन तक इस बात को समझने लगे हैं कि दक्षिण एशिया की स्थिरता तभी संभव है जब पाकिस्तान को उसके आतंकी समर्थन की कीमत चुकानी पड़े। भारत इस पूरे मामले पर सतर्क है और उसके कूटनीतिज्ञ अच्छी तरह जानते हैं कि पाकिस्तान की तरफ से अस्थिरता फैलाने के प्रयास जारी रहेंगे। लेकिन भारत की ताकत उसकी नीति, नैतिकता और जनता के विश्वास पर टिकी है, न कि किसी आतंक के बल पर। आज तालिबान और पाकिस्तान का यह झगड़ा भारत के उस रुख को सही साबित कर रहा है जो वर्षों से कहता आया है कि आतंक से कोई दोस्ती नहीं, यह केवल विनाश लाता है। अफगानिस्तान में शांति और विकास का मार्ग तभी प्रशस्त होगा जब वह पाकिस्तान के इस झूठे सहारे से पूरी तरह स्वतंत्र हो जाए। भारत की कोशिश यही रहनी चाहिए कि वह अफगान जनता के साथ विकास, शिक्षा और मानवीय सहयोग के माध्यम से स्थायी संबंध बनाए, ताकि आतंक की राजनीति धीरे-धीरे खत्म हो और दक्षिण एशिया में स्थिरता की नई सुबह उग सके।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

चेंबर ने लोगों को स्थानीय बाजारों से खरीदारी के लिए प्रेरित किया

भिलाई। भिलाई चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री के आया त्योहार चलो बाजार, अभियान के तहत रविवार को चौहान स्टेट, सुपेला गणेश मार्केट, श्रीराम हाइट्स, आम्रपाली परिसर में नागरिकों को जागरूक किया गया। प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने लोगों से अपील की कि इस दीपावली व त्योहारी सीजन में अपनी खरीदी लोकल बाजारों से करें, जिससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिले और खुशियों की रौनक बाजारों में लौटे। सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह विशेष अतिथि के रूप में अभियान में शामिल हुए। कहा कि चेंबर का यह अभियान ऑनलाइन शॉपिंग के खिलाफएक सशक्त अभियान है। इससे लोकल बाजारों में रौनक बढ़ेगी। सुपेला गणेश मार्केट में कार्यक्रम प्रभारी दिलीप केशरवानी, विनोद प्रसाद, चौहान स्टेट में आशीष हमदेव, राम ओबेरॉय, गिरीश खापर्डे ने लड्डू उत्सव में ग्राहकों को लड्डू खिलाया। भिलाई अध्यक्ष गारगीशंकर मिश्रा, महिला अध्यक्ष सुमन कनोजे, सरोजनी पाणिग्रही, सविता शर्मा, मनोहर कृष्णानी, पवन जिंदल, चिन्ना राव, शिवराज शर्मा, सुनील मिश्रा आदि उपस्थित थे।

तहसील साहू संघ भिलाई-चरोदा के चुनाव में दीपक साहू चुने गए अध्यक्ष

कुम्हारी। ग्राम उरला में तहसील साहू संघ भिलाई चरोदा का चुनाव हुआ, जिसमें अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार मैदान में थे। इसमें दीपक साहू (उरला) ने भारी मतों से जीत हासिल की। चार पदों पर निर्विरोध नि?र्वाचन हुआ, जिसमें महिला उपाध्यक्ष रीना साहू, संगठन सचिव हर्षलता साहू, पुरुष उपाध्यक्ष नरोत्तम साहू, संगठन सचिव राजेंद्र साहू बने। चुनाव के बाद अध्यक्ष दीपक ने कहा कि चुनाव एक प्रकिया है, जो हमेशा चलती रहेगी। लेकिन हम सभी को मिलकर समाज के लिए काम करते हुए एकजुटता से आगे बढ़ना है।

विवेकानंद पार्क में आरएसएस ने उत्सव मनाकर पथ संचलन किया

भिलाई। रविवार को सेक्टर 1 विवेकानंद पार्क स्थल पर दोपहर 3 बजे बस्ती शाखा में शस्त्र पूजन और विजय दशमी उत्सव कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि गुरु अगरदास सतनामी कल्याण संगठन के अध्यक्ष व अधिवक्ता मोतीराम कोशले रहे। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के धर्मजागरण प्रांत प्रमुख राजकुमार चंद्रा ने संघ की शुरुआत से लेकर शताब्दी वर्ष में सेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने संघ के स्थापना दिवस और उसके स्थापना का कारण बताते हुए नागरिकों को जागृत और सामर्थ्यवान बनने की अपील की।

दुर्ग में पहली बार गांधी शिल्प बाजार का आयोजन

बांस, गोदना, जूट, खादी और मृद्भांड जैसी पारंपरिक कलाओं देखने मिलेगी झलक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में पहली बार गांधी शिल्प बाजार-हस्तशिल्प प्रदर्शनी और बिक्री मेला का आयोजन किया गया है। इसका उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना और कारीगरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। यह आयोजन आत्मनिर्भर भारत की भावना को साकार करते हुए कारीगरों और उपभोक्ताओं के बीच एक सेतु का काम कर रहा है। गोंडवाना भवन, सिविल लाइन दुर्ग में आयोजित यह प्रदर्शनी 12 अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। यह रोजाना सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में देश के 8 राज्यों से आए लगभग 45 स्टॉलों पर पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई है।

इसमें बांस कला, गोदना प्रिंट, जूट क्राफ्ट, मृद्भांड, हैंडलूम, खादी वस्त्र और हर्बल उत्पादों जैसी विविध कलाएं शामिल हैं। खादी ग्राम

उद्योग के असिस्टेंट डायरेक्टर मनोज राठी ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से दुर्ग में पहली बार ऐसा आयोजन किया जा रहा है।

प्रदर्शित कलाएं और उत्पाद

उन्होंने कहा कि इस पहल का लक्ष्य ग्रामीण और शहरी हस्त शिल्पकारों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वे सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ सकें और अपने उत्पादों को उचित मूल्य पर बेच सकें। अंबिकापुर जिले के लखनपुर क्षेत्र की शिल्पकार दिलबसिया पावले ने अपनी अनूठी गोदना प्रिंट कला से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि वे 40 वर्ष की आयु से इस कला को कर रही हैं और पूरी तरह हर्बल रंगों का उपयोग कर कपड़ों, चादरों, साड़ियों और रुमालों पर कलाकृतियां बनाती हैं। दिलबसिया

पावले ने कहा, मैं अशिक्षित हूं, लेकिन माता-पिता से सीखी यह कला अब मेरे पूरे परिवार के लिए रोजगार का जरिया बन गई है।

आत्मनिर्भर बनने का मौका

उन्होंने कहा कि इस कला ने मुझे देश के कई राज्यों में प्रदर्शनी लगाने और प्रशिक्षण देने का अवसर दिलाया है। ऐसे आयोजनों से कारीगरों को अपने हुनर को प्रदर्शित करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का मौका मिलता है। उन्होंने जोर दिया कि हम जैसे कलाकारों के लिए यह मंच बहुत जरूरी है। इससे हमारे उत्पादों को पहचान और बाजार दोनों मिलते हैं।

केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडे ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल के तहत ऐसे आयोजनों से पारंपरिक कारीगरों को बल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि राज्यभर के शिल्पकारों को उनके उत्पादों के लिए स्थायी बाजार मिले। यह मेला उसी दिशा में एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने बताया कि दुर्ग में 45 स्टॉल लगाए गए हैं, जबकि जल्द ही भिलाई में 70 स्टॉलों की प्रदर्शनी लगाने की योजना है। इसके बाद राज्य स्तरीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी के आयोजन की भी तैयारी की जा रही है, जिसके लिए केंद्र सरकार से सहयोग अपेक्षित है

गर्ल्स कॉलेज में हिन्दी विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में हिन्दी विभाग द्वारा ''हिन्दी साहित्य के मध्यकालीन काव्य की उपयोगिता'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्षन में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर उन्होनें कहा कि ''हिन्दी साहित्य का मध्यकालीन काव्य'' के कवियों ने अपनी रचनाओं में लोक कल्याण की भावना को अत्यधिक महत्व दिया है, लोक कल्याण की भावना के अंतर्गत धर्म, जाति, सम्प्रदाय आदि की खाइयों को मिटाकर परस्पर मानवता व भाईचारा का संबंध निभाने का संदेष दिया। हिन्दी में विष्व प्रसिद्ध साहित्य उपलब्ध है जो हमारी अनमोल धरोहर है।

मुख्य वक्ता डॉ. आषा दीवान ने ''हिन्दी साहित्य के मध्यकालीन काव्य की उपयोगिता'' विषय पर प्रकाष डालते हुए कहा कि उस काल

के कवियों का सर्वप्रथम उद्देष्य तत्कालीन सामाजिक विषमता व विडम्बना को समाप्त कर सुव्यवस्थित समाज की स्थापना करना रहा है। विष्व प्रसिद्ध साहित्य सूरदास का सूरसागर, तुलसीदास का रामचरितमानस, कबीर का बीजक, मलिक मो. जायसी का पद्मावत एवं केषवदास का रामचन्द्रिका आदि ने मानवता व एकता का संदेष दिया।

इस अवसर पर हिन्दी स्नातकोत्तर की छात्राओं की विषय से संबंधित समस्याओं का अतिथि वक्ता ने समाधान किया। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. यशेष्वरी ध्रुव व आभार परिषद प्रभारी श्रीमती ज्योति भरणे ने किया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 पर बीएसपी के जेएलएन चिकित्सालय में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के मुख्य चिकित्सालय जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र,सेक्टर-9 में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 के उपलक्ष्य पर मनोरोग विभाग द्वारा ओपीडी कॉम्प्लेक्स में 10 अक्टूबर 2025 को एक पोस्टर प्रदर्शनी एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना तथा सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ कौशलेंद्र ठाकुर तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ उदय कुमार द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सकों, अधिकारियों व कर्मचारियों तथा नर्सिंग स्टाफ नर्सिंग छात्र-छात्राओं सहित मरीजों एवं आगंतुकों ने भाग लिया।

इस वर्ष के विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम सेवाओं तक पहुंच:आपदाओं एवं आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य पर चिकित्सालय के मनोचिकित्सक डॉ अमित नायक ने प्रकाश डाला। उन्होंने आपदाओं और संकट की परिस्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को रेखांकित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ विनीता द्विवेदी ने किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य एवं स्क्रीन एडिक्शन जैसे समसामयिक विषयों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में युवाओं में मानसिक संतुलन बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। उन्होंने योग,ध्यान तथा रचनात्मक गतिविधियों को मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के प्रभावी उपाय बताया।कार्यक्रम में कई आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े संदेश प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किए गए। बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों ने आपदाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव को दर्शाने वाला एक विचारोत्तेजक नाटक प्रस्तुत किया,वहीं एमएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों ने मादक द्रव्यों के सेवन एवं उसके दुष्परिणामों पर एक प्रभावशाली दृश्य प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर प्रदर्शनी एवं संवाद सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य की विभिन्न अवस्थाओं, इसके कारण,लक्षण,रोकथाम,उपचार एवं पुनर्वास के पहलुओं से अवगत कराया गया। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाए रखने में संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली की भूमिका पर भी बल दिया गया।

ग्रामीण परिवेश का ईमानदारी से चित्रण करता है उपन्यास बहू हाथ के पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंचल के जाने-माने छत्तीसगढ़ी साहित्यकार दुर्गा प्रसाद पारकर के छत्तीसगढ़ी उपन्यास बहू हाथ के पानी'' के हिन्दी अनुवाद का विमोचन रविवार को किया गया। ग्रामीण पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित इस छत्तीसगढ़ी उपन्यास के हिंदी अनुवादक शैलेन्द्र पारकर हैं। मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. संजय तिवारी ने मूल लेखक और अनुवादक दोनों के लेखकीय परिश्रम की सराहना की।

मुक्तकंठ साहित्य समिति के तत्वावधान में गीता भवन (ब्रज मंडल), सेक्टर-6 में रविवार को हुए आयोजन में रायपुर, दुर्ग व भिलाई के कई विद्वान वक्ता मौजूद थे। किताब के विमोचन उपरांत मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. संजय तिवारी ने कहा कि किसी लेखक के लिए उसकी किताब विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का

हिस्सा होना एक बड़ी उपलब्धि है और उसका अनुवाद होना पाठकों के बीच इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वह मूलत: विज्ञान के विद्यार्थी रहे हैं, इसलिए उनका मानना है कि विज्ञान का योगदान अपनी जगह है लेकिन मानवीय संवेदना सिर्फ साहित्य ही दे सकता है। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार, गीतकार व भाषाविद् डॉ. चितरंजन कर ने कहा कि छत्तीसगढ़ी परंपरा में आज 'बहू हाथ का पानी' एक मिथक बन गया है और इसे वास्तविकता में बदलने की पड़ताल यह उपन्यास करता है। भाषाविद् व पूर्व अध्यक्ष, बख्शी सृजन पीठ रमेंद नाथ मिश्र ने कहा कि यह उपन्यास ग्रामीण परिवेश का पूरी ईमानदारी से चित्रण करता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देता है। डुमन लाल ध्रुव ने कहा कि यह उपन्यास समाज में स्त्री के स्थान पर सवाल उठाता है। डॉ. पिसी लाल यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर अब तक जितने भी उपन्यास लिखे गए उनमें उन्हे यह श्रेष्ठ लगता है। उन्होंने उपन्यास में उल्लेखित तीनों महिला पात्रों का विश्लेषण भी किया। पुलिस अधीक्षक (सी.आई.डी.) एवं महासचिव, मुक्तकंठ साहित्य समिति नरेंद्र कुमार सिक्रेवाल ने कहा कि उपन्यास का शीर्षक ही अंदर के पूरे कथानक को अभिव्यक्त कर देता है और इसके हर अध्याय में जिस तरह से ग्रामीण जीवन को उकेरा गया है, वैसा बहुत कम पढ़ने में आता है।

अध्यक्षता कर रहे मुक्तकंठ साहित्य समिति के अध्यक्ष गोविंद पाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ का सामाजिक ताना-बाना और यहां की संस्कृति को समझना है तो इस उपन्यास को जरूर पढ़िए। उन्होंने अनुवादक की चुनौतियों पर भी अपनी बात रखी। उपन्यास के छत्तीसगढ़ी व हिंदी संस्करण पर बोलते हुए कल्याण महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सामाजिक स्थिति सौ साल पहले जैसी थी, उसमें खास बदलाव नही है और इसकी पड़ताल उपन्यास में लेखक पूरी साफगोई से करता है।

गर्ल्स कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर यूथ रेडक्रॉस द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के निर्देशन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. निशा गोस्वामी ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानसिक आरोग्य हमारे सोचने, महसूस करने और व्यवहार करने के तरीके से जुड़ा एक भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कल्याण का पहलू है।भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा यादव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य वह स्थिति है जो यह निर्धारित करती है कि व्यक्ति कैसे सोचता है, महसूस करता है और परिस्थितियों के अनुसार कैसे प्रतिक्रिया करता है।

डॉ. रेशमा लाकेश, प्रभारी प्राध्यापक, ने इस वर्ष की थीम ''स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य'' की जानकारी देते हुए बताया कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूकता फैलाना, समर्थन बढ़ाना, उन्होंने यह भी कहा कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि मानसिक स्वास्थ्य वर्ष के सभी 365 दिनों में महत्वपूर्ण है, लेकिन 10 अक्टूबर एक विशेष दिन है जो सभी को इस विषय पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करता है।

धोखा देते आंकड़े, यह है स्कूलों का हाल

श्रीकंचनपथ

आंकड़ों के बिना कोई बात नहीं हो सकती। पर यही आंकड़े जबरदस्त धोखा भी दे सकते हैं। यह ठीक वैसा ही जैसे किसी राज्य या राष्ट्र की प्रति व्यक्ति औसत आय बढ़ने के बावजूद जीवन स्तर नहीं बदलता। आज हम बात करेंगे स्कूली शिक्षा के आंकड़ों की। सरकार कह सकती है कि स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात में जबरदस्त सुधार हुआ है। मिडिल स्तर पर 10 साल पहले एक शिक्षक के पास 26 छात्र थे, जो घटकर 17 रह गए हैं। सेकंडरी स्तर पर यह 31 से घटकर 21 रह गया है। शिक्षकों के पास जितने कम छात्र होंगे, वे उन्हें ज्यादा समय दे पाएंगे। इस दौरान शाला त्यागी बच्चों की संख्या भी घटी है। 2023-24 में सेकंडरी पर यह आंकड़ा 10.9% था, जो 2024-25 में 8.2% बचा है। मिडिल स्तर पर यह 5.2% की तुलना में 3.5% और प्राथमिक पर 3.7% से घटकर 2.3% रह गई है। 2023-24 में जहां कुल शिक्षकों की संख्या 98.83 लाख थी, वो अब बढ़कर एक करोड़, एक लाख, 22 हजार 420 हो गई है। महिला शिक्षकों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। अर्थात स्कूली शिक्षा में जबरदस्त सुधार हो रहा है। ये आंकड़े यूनिफ आइड डिस्ट्रिक्ट इंफ र्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडाइस) के शैक्षणिक सत्र 2024-25 की रिपोर्ट में सामने आए हैं। पर यही आंकड़े एक दूसरी तस्वीर भी पेश करते हैं। देश में अब भी एक लाख स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक ही शिक्षक है। अर्थात शिक्षक दिन भर कागजी खानापूर्ति में ही उलझा रहता है। इन स्कूलों में 34 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। देश में एक लाख से ज्यादा स्कूल ऐसे जहां एक भी बच्चा भर्ती नहीं हुआ है। पर तस्वीर भी पूरी नहीं है। शिक्षकों का असमान वितरण भी एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आया है। झारखंड में जहां एक शिक्षक औसतन 47 बच्चों को पढ़ा रहा है वहीं सिक्किम में यह संख्या सिर्फ7 है। यह अंतर पहाड़ी अंचल के छोटे गांव और मैदानी क्षेत्र के बड़े गांवों की वजह से हो सकता है। पर बात यहीं खत्म नहीं हो जाती। स्कूल में शिक्षक कम हों या ज्यादा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रायमरी और मिडिल स्तर के लगभग 50 प्रतिशत बच्चे ट्यूशन ले रहे हैं। गांवों में हालांकि यह संख्या कम है और वहां ट्यूशन फीस भी कम है। शहरों में लगभग दो तिहाई बच्चे ट्यूशन पढ़ रहे हैं और इसकी फीस स्कूल फीस से भी अधिक है। कोई आश्चर्य नहीं कि प्रायवेट स्कूल में 12वीं तक पढ़ने वाला जब सरकारी सीट पर मेडिकल कालेज में दाखिल होता है तो उसके परिवार के लोग राहत लेते हैं। कई शहरों में 12वीं की पढ़ाई का खर्च सरकारी मेडिकल कालेज की फीस से अधिक है। एक बड़ा सवाल अब भी रह जाता है कि सरकारी स्कूलों में बेहतर वेतन तथा जॉब और फ्यूचर दोनों सिक्योर होने के बावजूद ये अच्छे नतीजे क्यों नहीं दे पाते?

राष्ट्रीय नृत्य व संगीत प्रतियोगिता में 10 प्रतिभागियों को मिला जयपद्मा सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नृत्यधाम कला समिति भिलाई के तत्वावधान में एसएनजी सेक्टर-4 के ऑडिटोरियम में 4 से 12 अक्टूबर तक राष्ट्रीय नृत्य एवं संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन रविवार को जयपद्मा सम्मान-2025 के फाइनल राउंड का आयोजन हुआ।

प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग राउंड में प्रतिभागियों के प्रदर्शन और प्रश्नोत्तरी के आधार पर कुल 25 प्रतियोगी चुने गए थे। फाइनल राउंड में निर्णायकों ने 15 प्रतिभागियों के प्रदर्शन की बारीकियों को परखा, जिनमें से 10 उत्कृष्ट प्रतिभागियों को जयपद्मा सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया। इस वर्ष कथक में लैरिना काशीपुरी, शिवम् लिली चक्रवर्ती, भरतनाट्यम में सृजिनी बैनर्जी, कौशिकी, कूचीपुड़ी में एस. पावनी, ओडिशी में अर्पित , रवींद्र नृत्य में हितस्मिता चक्रवर्ती, तबला वादन में प्रयाग पांडेय और शास्त्रीय संगीत में कुणाल कुमारी को जयपद्मा सम्मान दिया गया। रनर-अप प्रतिभागियों को संस्कृति सम्मान से पुरस्कृत किया गया। संस्था की डायरेक्टर डॉ. राखी रॉय ने बताया कि फाइनल राउंड के निर्णायक मंडल में कला क्षेत्र के दिग्गज ऋषिकेश पी. पोहनकर (नागपुर), युवराज (दिल्ली), दुष्यंत कुमार (केपीएस कुटेलाभाटा), शोरमिष्ठा नंदी (डीपीएस दुर्ग), प्रतिमा दासप्रिय, तनुश्री (रेलवे विभाग नागपुर) और अनिता राजगुरु (उड़ीसा) शामिल थीं।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

भाजपा ने अर्पित की राजमाता विजयाराजे सिंधिया को पुष्पांजलि

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सहित भाजपा के सभी नेताओं ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि समाज सेवा के प्रति राजमाता विजयाराजे सिंधिया का समर्पण और भारतीय संस्कृति के प्रति उनकी आस्था सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगी। राजमाता विजयाराजे सिंधिया राजनीतिक जीवन में दृढ़ता और निष्ठा की मिसाल थीं।

उन्होंने देश के सामाजिक उत्थान के लिए भी उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन राष्ट्र सेवा, संगठन निर्माण और आदर्श राजनीतिक निष्ठा का प्रतीक था। राजमाता विजयाराजे सिंधिया का छत्तीसगढ़ से भी गहरा लगाव रहा तथा यहां भाजपा की सरकार बनाने में उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। उन्होंने राजमाता विजयाराजे सिंधिया की जयंती पर उन्हें श्रध्दासुमन अर्पित की। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, नवीन मार्कण्डेय, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी, भाजपा विधायक, प्रदेश पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय कार्य परिषद के सदस्य बने प्रभात मिश्रा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर को समृद्ध करने में एक सक्रिय स्तंभ, प्रभात मिश्रा को हाल ही में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के सदस्य के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा नामित किया गया है। यह नियुक्ति सामाजिक सरोकारों से जुड़े उनके दशकों लंबे अथक योगदान का एक सार्थक स्वीकारोक्ति है। श्री मिश्रा एक वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, पर्यावरणविद् और समाजसेवी के रूप में प्रसिद्ध हैं। उनकी शिक्षा (एम ए समाजशास्त्र और पत्रकारिता) ने उन्हें सामाजिक सरोकारों और जनसंचार की गहरी समझ दी है।

उन्होंने आकाशवाणी, दूरदर्शन और कई राष्ट्रीय चैनलों के माध्यम से जनजागरण का कार्य किया है तथा -घर संसार- जैसे कार्यक्रमों में भाग लेकर भूगर्भ जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय को आम जन तक पहुँचाया है। साहित्य के क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने महासागर, दुधाधारी प्रकाश सहित कई पुस्तकों की रचना की है, जो छत्तीसगढ़ की संस्कृति और इतिहास पर प्रकाश डालती हैं।

उन्होंने छत्तीसगढ़ राजभाषा स्मारिका और मीडिया विमर्श जैसी राष्ट्रीय पत्रिका का संपादन भी किया है। सावरकर सौरभ और छत्तीसगढ़ का सांस्कृतिक विकास जैसे ग्रंथों के संपादन द्वारा उन्होंने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को बल दिया है। श्री मिश्रा का कार्यक्षेत्र केवल साहित्य और मीडिया तक सीमित नहीं है। वह एक समर्पित पर्यावरणविद् के रूप में भी जाने जाते हैं-उन्होंने वॉटर वारियर बनकर व्यक्तिगत जल सत्याग्रह अभियान चलाया। खारून नदी के किनारे वृक्षारोपण का नेतृत्व किया और नदी यात्रा आयोजित कर जलाशयों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाई। नरहरेश्वर सरोवर में गंदे पानी के प्रवेश को रोकने और भगवान बालाजी ट्रस्ट की भूमि को अतिक्रमण से बचाने के लिए उन्होंने उच्च न्यायालय में जनहित याचिकाएँ दायर कीं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। उन्होंने ग्राम विकास शोध समाधान केंद्र की स्थापना कर किसानों के बच्चों के लिए पुस्तकालय चलाया और जैविक खेती को प्रोत्साहन दिया। उनके बहुमुखी योगदान को देखते हुए उन्हें अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है।उनकी नियुक्ति पर छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के महासचिव अजय शर्मा व विप्र समाज के विभिन्न घटकों ने बधाई दी है।

दीपावली पर्व पर यातायात, सफाई व सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने सौंपा ज्ञापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दीपावली के आगामी पावन पर्व के मद्देनजर, आज चेंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने शहर की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने के उद्देश्य से महापौर श्रीमती मीनल चौबे, पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. लाल उम्मेद सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) डॉ. प्रशांत शुक्ला से शिष्टाचार भेंट कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से तीन विषयों पर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया गया जो निम्नानुसार है।

यातायात व्यवस्था

प्रतिनिधि मंडल ने त्यौहार के दौरान बाजारों में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि व्यापारियों एवं ग्राहकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए प्रमुख बाजारों में अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस बल की तैनाती और पार्किंग की उचित व्यवस्था पर जोर दिया गया।

सफाई व्यवस्था

दीपावली के समय बाजारों और आवासीय क्षेत्रों में कचरे की मात्रा बढ़ जाती है। प्रतिनिधि मंडल ने नगर निगम से अपील की कि पर्व के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए और कूड़े का नियमित उठाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि स्वच्छता बनी रहे। साथ ही बाजारों में पूर्णत: प्रकाश की व्यवस्था हो।

सुरक्षा व्यवस्था

व्यापारियों और आमजनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, प्रतिनिधि मंडल ने चोरी, लूटपाट जैसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने की मांग की। विशेष रूप से बाजार क्षेत्रों में सादी वर्दी में पुलिसकर्मियों की तैनाती और गश्त बढ़ाने का अनुरोध किया गया।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे, पुलिस अधीक्षक (एसपी)डॉ. लाल उम्मेद सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) डॉ. प्रशांत शुक्ला ने चेंबर प्रतिनिधि मंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि दीपावली के त्यौहार को शांतिपूर्ण, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। संबंधित विभागों को इन व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने हेतु तत्काल निर्देश जारी किए जाएंगे।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने आश्वासन दिया कि 5 हेल्पलाइन नंबर जारी किया जायेगा जिनमें एक नंबर उनका स्वयं का रहेगा तथा बाकी 4 हेल्पलाइन नंबर अन्य अधिकारियों के रहेंगे। चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने सहयोग के लिए प्रशासनिक अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर चेंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष- लोकेश चंद्रकांत जैन, जितेंद्र शादीजा, श्रीमती सोनिया साहू, मनीष प्रजापति, दिलीप इसरानी, मंत्री-प्रशांत गुप्ता, राजेंद्र पारख, जतिन नचरानी, सदस्य-रवि सचदेव, अनिरुद्ध खुड़िया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

साइंस कालेज एल्युमिनी सम्मान समारोह की तैयारियां शुरु, मंत्री टंकराम को किया आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। साइंस कालेज एल्युमिनी एसोसिएशन ने सम्मान समारोह जो कि दिसंबर महीने में आयोजित होना है तैयारियां प्रारंभ कर दी है। इस समारोह में साइंस कॉलेज, रायपुर के ऐसे भूतपूर्व छात्र जो कि अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त किए हैं, उनका सम्मान समारोह किया जायेगा। आयोजन को भव्य रुप देने एसोसिएशन के सदस्य लगातार मीटिंग कर रहे हैं और अतिथियों का आमंत्रण देना भी प्रारंभ कर दिया है।

साइंस कॉलेज रायपुर के प्राचार्य डॉ. अमिताभ बैनर्जी और एल्यूमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष अंजय शुक्ला के नेतृत्व में डॉ. गिरीश कांत पांडेय, डॉ. प्रवीण कड़वे, राजेश मढ़रिया, रविंद्र मिश्रा, आदि सहित एक प्रतिनिधिमंडल उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा से मुलाकात कर उन्हें आमंत्रित किया है। इस वृहद कार्यक्रम में ऐसे पूर्व छात्र जो की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, वैज्ञानिक, प्रशासनिक, खेलकूद, कला, आदि क्षेत्रों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिन्होंने उत्कृष्ट कार्य किये हैं, उनका सम्मान करेगा।

उल्लेखनीय है कि साइंस कॉलेज रायपुर से केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक, सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, दो पद्मश्री, एक वीर चक्र, 9 कुलपति, 45 आईएएस, आईपीएस, आईएफएस बने हैं। इस महाविद्यालय से प्राध्यापक, शिक्षक, वन विभाग, खनिज विभाग, पुलिस विभाग जैसे अन्य विभागों में भी सबसे अधिक अधिकारी राज्य को प्रदान किए हैं। आयोजन को लेकर काफी उत्साह का माहौल है।

तेलीबांधा से टाटीबंध जीई रोड में बैनर फ्लेक्स लगाने पर रोक

रायपुर। नगर निगम के नगर निवेश विभाग की समीक्षा बैठक महापौर मीनल चौबे ने विभागीय अध्यक्ष मनोज वर्मा के साथ ली। इसमें उन्होंने तेलीबांधा से टाटीबंध तक सड़क के डिवाइडर्स को नो-फ्लैक्स स्ट्रीट घोषित किया। वहीं विभाग के अधिकारियों को इसमें तत्परता के साथ काम करने कहा। नक्शा पास करने में हो रही देरी की शिकायत पर महापौर ने स्पष्ट कर दिया कि अब अगर इसमें घुमाने-फिराने वाली शिकायत आई तो आवेदक के सामने ही जिम्मेदारी अधिकारियों से जवाब मांगा जाएगा। इस समीक्षा बैठक में महापौर ने दस दिनों के अंदर प्रत्येक जोन में वेडिंग जोन चिन्हित कर उसमें ठेला एवं पसरा कारोबारियों को जगह देने कहा। इसी के साथ आवासीय नक्शे पास करने में लगातार आ रही परेशानी को देखते हुए उन्होंने सभी रिहायशी आवेदनों में एक महीने के भीतर नक्शे पास करके आवेदक नागरिकों को देने कहा। इस कार्य में देरी होने पर जिम्मेदार नगर निवेश अभियंताओं पर कार्रवाई की चेतावनी दी। घरों के नक्शे के कार्य के लिए उन्होंने पंजीकृत आर्किटेक्ट की जानकारी भी नागरिकों को देने कहा, जिससे मकान बनाने की दस्तावेजी प्रक्रिया में परेशानी न हों। इसके अलावा सभी जोनों में अवैध निर्माण और अवैध प्लाटिंग पर लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने धरसींवां क्षेत्र में गिरदावरी व दावा-आपत्ति निराकरण कार्य का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने धरसींवा विकासखंड के ग्राम मांढर और ग्राम बरोदा की खेतों में चल रहे गिरदावरी सत्यापन और दावा-आपत्ति निराकरण कार्य का निरीक्षण किया। ग्राम मांढर के पंचायत भवन में कलेक्टर ने गिरदावरी के बाद प्राप्त दावे एवं आपत्तियों के निराकरण की प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद राजस्व अमले से प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि सभी दावों का निराकरण निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ तय समय सीमा में किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त से 30 सितंबर तक गिरदावरी का कार्य किया गया था । ग्राम सभा में गिरदावरी से संबंधित कार्यों का पठन और प्रकाशन किया गया था इसके बाद प्राप्त दावा आपत्तियों का अब निराकरण किया जा रहा है । इस अवसर पर पर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, एडीएम उमाशंकर बंदे, एसडीएम रायपुर नंदकुमार चौबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

संभागायुक्त कावरे ने ग्राम चर्रा में फसल गिरदावरी सत्यापन कार्य का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर संभागायुक्त महादेव कावरे ने धमतरी जिले के कुरूद तहसील के ग्राम चर्रा में फसल गिरदावरी सत्यापन कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसान मिश्रीलाल साहू के खसरा नंबर 999, रकबा 0.73 हेक्टेयर भूमि में धान फसल के सत्यापन का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि संबंधित भूमि के एक हिस्से पर किसान का मकान निर्मित है। इस पर संभागायुक्त ने पटवारी बिशनलाल ध्रुव को निर्देशित किया कि मकान निर्मित क्षेत्र को गिरदावरी से कम किया जाए। किसान मिश्रीलाल साहू ने बताया कि उन्होंने एग्रिस्टेक पोर्टल में अपना पंजीयन कराया है तथा वे इस वर्ष भी बीज निगम को धान विक्रय करेंगे। पिछले वर्ष उन्होंने बीज निगम को 3600 प्रति क्विंटल की दर से धान बेचा था। संभागायुक्त श्री कावरे ने बताया कि फसल गिरदावरी सत्यापन कार्य इस माह 30 अक्टूबर तक पूर्ण किया जाना है, तथा संभाग के सभी कलेक्टरों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा देवहारी सहित अन्य राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरएसएस ने मनाया विजयदशमी उत्सव

रायपुर। माधव नगर जोरापारा बस्ती में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विजयदशमी उत्सव धूमधाम से मनाया। शारदा चौक स्थित आर.डी.बिल्डिंग मैदान में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों और नागरिकों ने भाग लिया। जोरापारा बस्ती प्रमुख प्रणीत जैन ने बताया कि इस अवसर पर एकत्रीकरण और शस्त्र पूजन,संबोधन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक ध्वज प्रणाम के साथ हुआ, जिसके बाद अमृत वचन और एकल गीत प्रस्तुत किए गए। आज के कार्यक्रम नगर सरसंघ चालक मनीष साहू की अध्यक्षता में कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी वार्ड के पार्षद अवतार सिंह बागल थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रायपुर महानगर के प्रचार प्रसार प्रमुख शुभम अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का सौवां वर्ष समूचे हिंदू समाज के सहयोग और आशीर्वाद का परिणाम है।

अब किसी भी माह में दे सकेंगे पेंशनर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र : ईपीएफओ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के अंतर्गत पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनरों के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। अब पेंशनर वर्ष के किसी भी माह में अपना डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। यह प्रमाण पत्र एक वर्ष तक वैध रहेगा। जीवन प्रमाणपत्र को केवल नवंबर माह में जमा कराने की पूर्व अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया है। यह कदम पेंशनरों की सुविधा और डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है।

इस सुविधा को सुगम बनाने के लिए ईपीएफओ के क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा विशेष जनजागरूकता एवं सहायता अभियान प्रारंभ किया गया है। अब पेंशनर स्वयं अथवा कोई अन्य व्यक्ति मोबाइल एप के माध्यम से भी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकता है। इसके लिए ईपीएफओ के आधिकारिक यूट्यूब चैनल सहित फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विस्तृत मार्गदर्शन वीडियो उपलब्ध कराए गए हैं।

पेंशनर अपने नजदीकी ईपीएफओ कार्यालय-क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर या जिला कार्यालय बिलासपुर-में जाकर भी जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करवा सकते हैं। इसके अलावा प्रत्येक माह की 27 तारीख को जिलों में आयोजित होने वाले 'नॉन कैम्प' के माध्यम से भी यह सुविधा प्राप्त की जा सकती है। इसके लिए पेंशनर को अपने साथ आवश्यक दस्तावेज जैसे पेंशन भुगतान आदेश संख्या, आधार कार्ड या आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर आदि लाना आवश्यक होगा।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के तत्वावधान में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर रायपुर जिले के चंगोराभाठा, तेदुआ, खंडवा, गुमा, सारखी एवं कोलर जैसे समुदायों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समुदाय को जागरूक करना तथा तनाव, अवसाद एवं चिंता जैसे विषयों पर खुलकर चर्चा को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के दौरान किशोरों एवं महिलाओं के लिए योग-सत्र, तनाव प्रबंधन गतिविधियाँ, समूह चर्चा तथा खुलकर बोलें सत्र का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्त्वपूर्ण है और किसी भी मानसिक परेशानी में परामर्श लेना आवश्यक है। इस कार्यक्रम में मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पालक एवं समुदायजन सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण हेतु जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। यह समस्त कार्यक्रम कार्यक्रम प्रबंधक प्रशांत लोखंडे के मार्गदर्शन तथा टीएमओ श्रीमती कुलेश्वरी साहू एवं टीम सदस्यों कु. नीलम साहू, पूजा साहू, लोमेश साहू, माया कोसले एवं दीपक साहू के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

अभिनेत्री नोरा फतेही ने थाम्मा से अपने अगले बॉलीवुड हिट गाने दिलबर की आँखों का टाइटल किया रिवील

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने हाल ही में एक बड़ी खबर दी है। वह मैडॉक फिल्म्स की आगामी फिल्म थाम्मा में अपने नए गाने दिलबर की आँखों का के साथ बॉलीवुड डांस की दुनिया में आधिकारिक तौर पर एक और ब्लॉकबस्टर गाने के साथ वापस आ रही हैं। इस गाने में रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं। अपने फैंस के लिए एक रोमांचक संदेश में, नोरा ने कहा, हाय मेरे प्यारे दोस्तों, मैं आज आपसे कुछ बेहद रोमांचक बात करने आई हूँ।

चलिए, उस ख़ास बात पर बात करते हैं। जोकि सब जानते हैं कि मैंने काफी समय से किसी बॉलीवुड फिल्म में डांस नंबर नहीं किया है। 2018 में दिलबर और कमरिया मेरी जिंदगी का धमाकेदार मोड़ था। इसने मुझे पहचान दिलाई और आप लोगों से मेरा परिचय दिलबर गर्ल और कमरिया गर्ल के रूप में हुआ। स्त्री में कमरिया गाने के जरिए मुझे यह किरदार मिला और इसने मेरी जिंदगी बदल दी। एक और दिलचस्प बात यह है कि मैंने दिलबर और कमरिया एक ही समय पर शूट किए और दोनों एक ही महीने में रिलीज हुए। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मेरे फैन के लिए एक पर्सनल मैसेज आपकी दिलबर और कमरिया गर्ल कल वापस आ रही है। चलिए उन्हें फिर से वह धमाकेदार दौर वापस लाते हैं।

उन्होंने आगे कहा, अब मैंने फिल्म थाम्मा के गाने 'दिलबर की आँखों का' नाम से एक गाने में परफॉर्म करने का फैसला किया है, जो कल रिलीज होने वाली है। यह गाना वही धमाकेदार अंदाज को वापस ला रहा है जो आप लोगों को मुझमें पसंद आता है जब मैं किसी बॉलीवुड फिल्म में गाने करती हूँ। मैंने कुछ सालों के लिए ब्रेक लिया था क्योंकि मैं अपने आर्टिस्टिक करियर के अन्य पहलुओं जैसे कि एक्टिंग और म्यूजिक पर ध्यान दे सकूं। अब हम इस गाने और फिल्म के जरिए हम 'दिलबर-कमरिया' वाले दौर को फिर से वापस ला रहे हैं। अपनी खास अदाकारी का वादा करते हुए, नोरा ने आगे कहा, हमारे पास जबरदस्त कोरियोग्राफी है, एक धमाकेदार हुक स्टेप है। वो नोरा - जिसे आप लोग पसंद करते हैं, वापस आ गई है। यह गाना कल दोपहर 1:45 बजे रिलीज होगा, तो समय और तारीख जरूर नोट कर लीजिए। चलो उस दौर को वापस लाते हैं दोस्तों। मुझे लगता है कि आप उसे मिस कर रहे हैं, और मैं भी उसे मिस कर रही हूँ। मेरे लिए यह बहुत मायने रखता है कि मैंने बॉलीवुड गानों के अपने लंबे ब्रेक से बाहर आकर खास तौर पर यह गाना करने का फैसला किया है। पूरी टीम को शुभकामनाएँ और मैं कल आप लोगों द्वारा इसे देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ। आई लव यू। अपनी जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस, बेजोड़ एनर्जी और एक और ब्लॉकबस्टर और दमदार परफॉर्मेंस के वादे के साथ, नोरा फतेही दिलबर का जादू फिर से जगाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं - इस बार थाम्मा में दिलबर की आँखों का के जरिए।

मलाइका अरोड़ा का फिटनेस मंत्र, ये 6 योगा पोज बदल देंगे आपकी जिंदगी

51 साल की बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा आज भी इतनी फिट हैं कि 31 साल की एक्ट्रेस को भी फिटनेस में टक्कर दे सकती हैं। एक्ट्रेस जिम में पसीना बहाने से लेकर शरीर को फ्लेक्सिबल बनाने के लिए योग का सहारा लेती हैं और हेल्थी डाइट फॉलो करती हैं।

अब एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ योगा पोज शेयर किए हैं, जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए वरदान हैं। मलाइका अरोड़ा ने अपना सोशल मीडिया अपडेट किया है और छह अलग-अलग योगा पोज डाले हैं। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 6 जेंटल योगा पोज, जिसे करने पर आपका शरीर आपको धन्यवाद देगा। एक्ट्रेस पहले वीडियो में कैट एंड काऊ पोज करती दिख रही हैं। इस आसन को करने से रीढ़ की हड्डी में रक्त संचार बढ़ता है और शरीर की मांसपेशियां भी खुला महसूस करती हैं। दूसरी वीडियो में एक्ट्रेस हिप स्ट्रेच करती दिख रही हैं। ये आसन पैरों, कुल्हे और गर्भाशय के लिए अच्छा होता है।

तीसरी वीडियो में एक्ट्रेस पप्पी पोज कर रही हैं। ये योगासन सिर और कंधे में पैदा होने वाली जकड़न से छुटकारा दिलाता है। अगर आप कम्प्यूटर पर काम करते हैं, तो ये आसन आपके लिए बेस्ट है। योग में इस आसन को उत्तान शीशोसन कहते हैं। अगली वीडियो में एक्ट्रेस पिजन फॉरवर्ड पोज या कपोतासन कर रही हैं। ये आसन शरीर में लचीलापन बढ़ाकर रक्त संचार को सही करता है और कुल्हों को मजबूत करता है।

बाकी दो वीडियो में मलाइका भुजंगासन और फ्रॉग स्ट्रेच करती दिख रही हैं। भुजंगासन रीढ़ की हड्डी, कंधे की मांसपेशी और गर्दन के लिए लाभकारी है, जबकि फ्रॉग स्ट्रेच जांघों के अंदरूनी हिस्से, कूल्हे और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। ये सभी योगासन डेली लाइफ स्टाइल में अपनाने से शरीर में बहुत सारे बदलाव देखने को मिलेंगे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो मलाइका अरोड़ा बतौर जज इंडियाज गॉट टैलेंट में दिखने वाली हैं। शो आज से सोनी टीवी पर टेलीकास्ट होगा। शो में मलाइका अरोड़ा के अलावा नवजोत सिंह सिद्धू और सिंगर शान भी दिखने वाले हैं। शो रात को 9 बजकर 30 मिनट पर टेलीकास्ट होगा। इसके अलावा एक्ट्रेस पिच टू गेट रिच मॉडलिंग शो में करण जौहर के साथ शो को जज करेंगी। शो 20 अक्टूबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा।

दे दे प्यार दे 2 की रिलीज डेट हुई फाइनल, रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पर की घोषणा

फिल्म दे दे प्यार दे ने साल 2019 में लोगों के दिलों में खास जगह बनाई थी। यह एक ऐसी कहानी थी जिसमें उम्र के फासले और प्यार की ताकत को खूबसूरती से दिखाया गया था। अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। वहीं तब्बू ने भी अपनी भूमिका से फिल्म में चार चांद लगाए।

अब, इस लोकप्रिय फिल्म का दूसरा पार्ट, यानी दे दे प्यार दे 2, जल्दी ही बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाला है। इस फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा खुद रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया। रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास मोशन पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, प्यार का सीक्वल है क्रूशियल। क्या आशीष को मिलेगा आयशा के पेरेंट्स का अप्रूवल? दे दे प्यार दे 2 सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज होगी। यह फिल्म दे दे प्यार दे का सीक्वल है और इसमें दिखाया जाएगा कि आशीष, जो कि अजय देवगन के किरदार का नाम है, कैसे आयशा के माता-पिता को अपने रिश्ते के लिए मनाने की कोशिश करता है। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने पर फैंस में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। लोग बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और जानने के लिए उत्साहित हैं कि इस बार फिल्म में कौन-कौन से नए चेहरे होंगे और कहानी में क्या नया ट्विस्ट देखने को मिलेगा।

बता दें कि दे दे प्यार दे 2 में तब्बू नजर नहीं आएंगी, जिन्होंने पहली फिल्म में अहम किरदार निभाया था। हालांकि, फिल्म में कई नए कलाकार जुड़ गए हैं। आर माधवन, गौतमी कपूर, मीजान जाफरी, जावेद जाफरी, और इशिता दत्ता जैसे कलाकार इस बार फिल्म का हिस्सा हैं। खासतौर पर आर माधवन की एंट्री फैंस के लिए खुशी की बात है क्योंकि वह आयशा के पिता का रोल निभाते नजर आएंगे।

फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, लव रंजन और अंकुर गर्ग इस बार भी फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें लगाए हुए हैं। उन्होंने बताया है कि दे दे प्यार दे 2 को ऐसा बनाया गया है जो न केवल पहली फिल्म का मज़ा दुगना कर देगा बल्कि एक नए और आधुनिक तरीके से प्यार, रिश्तों और परिवार की जटिलताओं को दिखाएगा।

अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में दिखेगी अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी

'सैयारा' फेम अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी बड़े पर्दे पर पहली बार साथ दिखाई देगी। यह जोड़ी अली अब्बास जफर की नई फिल्म में साथ दिखाई देने वाली है, इस बात की पुष्टि हो गई है। फिलहाल फिल्म का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन पता चला है कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने इसके अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

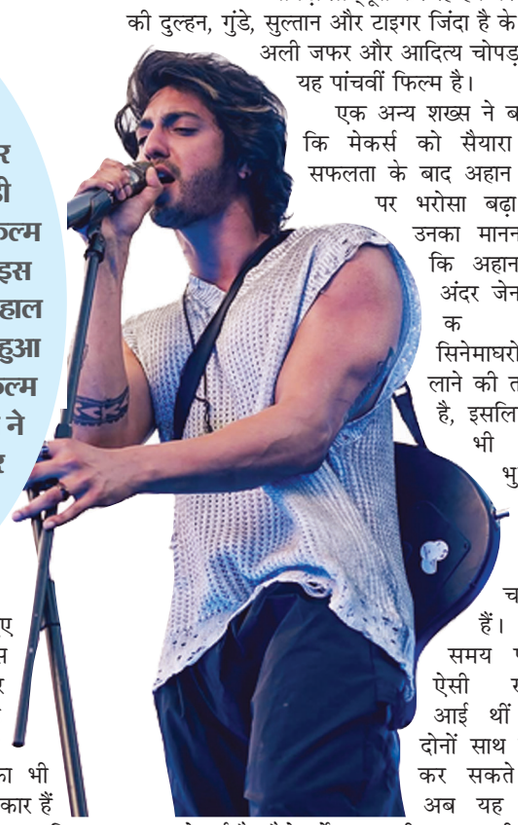

फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने इस खबर की पुष्टि करते हुए आईएएनएस से कहा, सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और अहान पांडे आज हमारे देश के सबसे बड़े जेन जी अभिनेता हैं। शरवरी 100 करोड़ रुपये की ब्लॉकबस्टर फिल्म मुंज्या का भी हिस्सा थीं। आपके पास दो शानदार कलाकार हैं जिन्होंने साबित कर दिया है कि सिर्फ उम्दा अभिनय ही लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है।

उन्होंने आगे कहा, दशकों बाद आपके पास बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परिणाम देने वाले नवोदित और युवा कलाकार हैं। यह अली अब्बास जफर जैसे बड़े फिल्म निर्माताओं को एक ऐसी युवा फिल्म बनाने के लिए उत्साहित करता है, जो रोमांटिक होने के साथ ही एक एक्शन फिल्म भी है।

सूत्र ने आगे कहा कि इन दोनों युवा कलाकारों को डायरेक्ट करने के लिए अली अब्बास जफर भी उत्साहित हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इसे आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है के बाद अली जफर और आदित्य चोपड़ा की यह पांचवीं फिल्म है।

एक अन्य शख्स ने बताया कि मेकर्स को सैयारा की सफलता के बाद अहान पांडे पर भरोसा बढ़ा है। उनका मानना है कि अहान के अंदर जेन जी के सिनेमाघरों में लाने की ताकत है, इसलिए वे भी इसे भुनाना चाहते हैं। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दोनों साथ काम कर सकते हैं, अब यह बात पुख्ता हो गई है। वैसे पर्दे पर पहली बार शरवरी वाघ और अहान पांडे की जोड़ी साथ दिखाई देगी। इस बारे में जानने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग इस फिल्म के लिए अभी से ही उत्साहित हैं।

एक साल से बड़े बच्चे को बिल्कुल न पिलाएं ज्यादा दूध, हो सकती हैं बड़ी प्रॉब्लम

अगर आप भी एक साल से बड़े बच्चे को 500 द्रव्य से ज्यादा दूध पिला रहे हैं, तो डॉक्टर निमिषा अरोड़ा के मुताबिक ऐसा बिल्कुल न करें। क्योंकि इससे बच्चों को तीन बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती है। इसीलिए ऐसा बिल्कुल न करें।

अक्सर छोटे बच्चे जब खाना नहीं खाते हैं, तो माता-पिता और घर के बड़े लोग सोचते हैं कि ठीक से खाना नहीं खाया तो कम से कम बच्चे को दूध ही पिला दें। कुछ तो पेट में जाएगा उसके। इसी वजह से कई बार वे बच्चे को ज्यादा दूध पिला देते हैं। लेकिन यह तरीका बच्चों की सेहत के लिए बिल्कुल सही नहीं है, क्योंकि पीडियाट्रिशन डॉक्टर निमिषा अरोड़ा का कहना है कि इस वजह से तीन बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती हैं। साथ ही, आगे चलकर यह बच्चों के ओवरऑल डेवलपमेंट पर भी असर डाल सकता है। बच्चे को ज्यादा दूध देने से क्या-क्या हेल्थ इश्यूज हो सकते हैं। साथ ही बच्चों को कितनी मात्रा में दूध देना चाहिए।

बच्चे खाना नहीं खाते, पिला देते हैं दूध

इंस्टाग्राम वीडियो में पीडियाट्रिशन डॉक्टर निमिषा अरोड़ा बताती हैं कि कई माता-पिता अपने बच्चे के खाने को लेकर परेशान रहते हैं। वह कहती हैं कि उनके क्लीनिक में कई ऐसे पेरेंट्स आते हैं, जिनकी शिकायत होती है कि उनका पंद्रह महीने या टॉडलर बच्चा पूरा दिन खाना ही नहीं खाता। मुंह ही नहीं खोलता। फिर घर के बड़े लोग कहते हैं कि 'अगर कुछ खा नहीं रहा है, तो कम से कम दूध तो पिला दो, पेट तो भरेगा।'

ज्यादा दूध देने से हो सकती हैं 3 प्रॉब्लम

एक्सपर्ट आगे कहती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक साल के बाद बच्चे को 500 द्रव्य से ज्यादा दूध नहीं पिलाना चाहिए। अगर आपका बच्चा इससे ज्यादा दूध पीता है, तो इसके कारण तीन समस्याएं हो सकती हैं।

फिर नहीं लगती बच्चे को भूख

सबसे पहला तो यही होगा कि खाना ही नहीं खाएगा। दरअसल, वे दूध से ही पेट भर लेते हैं और फिर उन्हें भूख ही नहीं लगती है। अब बडे लोगों का कहना होता है कि फिर कैलशियम इनटेक बच्चे में कैसे पूरा होगा, तो बहुत सारे फूड आइटम्स हैं, जिनसे यह भरपूर मात्रा में मिलता है।

हो सकती है खून की कमी

डॉक्टर अरोड़ा कहती हैं कि केवल दूध ही कैल्शियम का स्रोत नहीं है। इसके अलावा, दूध आयरन का बहुत ही कमजोर स्रोत है, इसलिए बच्चे में एनीमिया होने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही, दूध में कोई फाइबर नहीं होता, जिससे बच्चे को कब्ज की शिकायत होने की संभावना भी ज्यादा रहती है।

नहीं मिलते हैं जरूरी न्यूट्रीशन

एक्सपर्ट कहती हैं कि दूध पीकर बच्चे को केवल कैलोरी मिल रही होती है। अगर बच्चा 1 से 1.5 लीटर दूध पी लेता है, तो इससे उसका वजन तो अच्छा बढ़ता है, लेकिन वह जरूरी न्यूट्रीशन नहीं पा रहा होता। इसीलिए पेरेंट्स इस बात का ध्यान रखें कि दूध बिल्कुल अहम है, लेकिन एक साल के बाद सिर्फ सीमित मात्रा में ही दें। अगर आप दूध को खाने का रिप्लेसमेंट बना देंगे, तो फिर बच्चे की ग्रोथ और हेल्थ आगे चलकर इफेक्टड हो जाएगी।

जनहित के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगीः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में रविवार को मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2025 में सुशासन, पारदर्शिता और जनहित के नए मानक तय किए गए। बैठक की शुरुआत निर्धारित समय से पहले हुई, जिसने पूरे प्रशासन को मुख्यमंत्री की वर्क-डिसिप्लिन और परिणाम केंद्रित कार्यशैली का सीधा संदेश दिया। बैठक में मुख्य सचिव विकास शील, सभी विभागीय सचिव, संभागायुक्त और कलेक्टर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने प्रारंभ से ही स्पष्ट कर दिया कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम लाभ जनता तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचना ही सुशासन का वास्तविक अर्थ है — और इस दिशा में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह कॉन्फ्रेंस केवल समीक्षा बैठक नहीं, बल्कि जनहित के नए मानक तय करने का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि जिलों में

योजनाओं के क्रियान्वयन में परिणाम दिखाई देने चाहिए, केवल रिपोर्टों में नहीं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स कांफ्रेंस में कहा कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम उद्देश्य आम जनता तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच आपकी उपस्थिति और संवेदनशीलता ही आपकी पहचान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होगी और इसकी सभी तैयारियाँ समय पर पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सीधे कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। धान खरीदी में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक धान खरीदी केंद्र की मॉनिटरिंग हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभारी सचिव जिलों में लगातार निगरानी रखें और संवेदनशील केंद्रों की विशेष मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीदी की चौकसी बढ़ाने के लिए अब इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का उपयोग किया जाएगा। इससे जिलों में निगरानी तेज होगी और किसी भी गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई संभव होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि अंतरराज्यीय सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए, ताकि बाहर से धान की अवैध आवाजाही को रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने विशेष पिछड़ी जनजातियों के किसानों के लिए विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन जनजातीय इलाकों में विशेष शिविरों के माध्यम से 100 प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक भी पात्र किसान वंचित न रहे, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिलों में निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी पात्र किसानों को लाभ पहुँचना चाहिए। उन्होंने कमिश्नरों को निर्देश दिया कि बस्तर और सरगुजा सम्भाग में विशेष रूप से योजना की प्रगति की सतत समीक्षा करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिकतम लोगों तक पहुँचे। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों को बैंक फाइनेंस की सुविधा आसानी से उपलब्ध कराई जाए, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना से वंचित न रहे। स्वास्थ्य सेवाओं पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शत प्रतिशत प्रसव सभी अस्पतालों में सुनिश्चित हो। साथ ही टीकाकरण की वास्तविक स्थिति की फील्ड वेरिफिकेशन द्वारा पुष्टि की जाए।

उन्होंने कहा कि मैटरनल डेथ ऑडिट प्रत्येक मामले में अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम की रणनीति बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनआरसी सेंटरों का संचालन नियमित और प्रभावी होना चाहिए तथा माताओं और बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने वेलनेस सेंटरों को सक्रिय कर गैर-संचारी रोगों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बस्तर संभाग में मलेरिया उन्मूलन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान कर विशेष अभियान चलाया जाए ताकि छत्तीसगढ़ को मलेरिया-मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य शीघ्र पूरा किया जा सके। उन्होंने प्रधानमंत्री वय वंदना योजना के अंतर्गत सभी पात्र वृद्धजनों के पंजीयन और कार्ड निर्माण कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रॉपआउट शून्य करने और सकल नामांकन अनुपात को 100 प्रतिशत करने का लक्ष्य किसी भी हालत में पूरा होना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षण सामग्री अलमारियों में नहीं, कक्षाओं में दिखनी चाहिए। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि शिक्षण संसाधनों का उपयोग कक्षा में सुनिश्चित करें और नियमित मॉनिटरिंग करें।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल से खजरीढाप में लौटी रोशनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले के बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की त्वरित पहल से विकासखंड पत्थलगांव के ग्राम पंचायत खजरीढाप स्थित गांधी चौक मोहल्ला में बाधित विद्युत आपूर्ति पुनः प्रारंभ हो गई है।

ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित थी, जिससे ग्रामीणों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित पहल की जिसके फलस्वरूप विद्युत विभाग ने क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर को बदलकर बिजली आपूर्ति सुचारू कर दी।

समस्या के त्वरित निदान पर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव

साय का आभार जताया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि जनसामान्य की समस्याओं की सुनवाई और निदान के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा बगिया में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थापित किया गया है। यहां प्राप्त होने वाली शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई की जा रही है। विशेष रूप से बिजली, पानी एवं स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं के मामले में कैंप कार्यालय द्वारा तत्परता से की जा रही कार्रवाई से जनमानस का विश्वास बढ़ा है।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों से की आत्मीय भेंट अनुशासन और लगन को बताया सफलता का मंत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव अपने अछोटी प्रवास के दौरान मुड़पार गांव में विद्यालय जा रहे विद्यार्थियों से अनौपचारिक रूप से मिले। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनके शैक्षणिक अनुभवों, पढ़ाई की स्थिति तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की।

मंत्री श्री यादव ने बच्चों की जिज्ञासापूर्ण बातें सुनीं और उन्हें जीवन में अनुशासन, मेहनत एवं लगन को अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी है। जो विद्यार्थी अपने समय का सदुपयोग करते हैं, वही आगे चलकर समाज और देश की उन्नति में योगदान देते हैं। श्री यादव ने आगे कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास और समाज सेवा की भावना को भी विकसित करती है। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे अपने शिक्षकों का सम्मान करें, नियमित अध्ययन करें और अपने सपनों को साकार करने के लिए सदैव प्रयासरत रहें।

इस दौरान मंत्री ने विद्यालयों की शिक्षकीय व्यवस्था, अध्ययन की स्थिति और विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी भी ली। उन्होंने क्षेत्र के शिक्षकों और अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करें, ताकि ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थी भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित न रहें। मंत्री श्री यादव ने मुड़पार के विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति गंभीरता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि हर बच्चे को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिले। इसके लिए सरकार निरंतर विद्यालयों की बुनियादी सुविधाओं, शिक्षकों की उपलब्धता और डिजिटल संसाधनों के विस्तार पर कार्य कर रही है। मुलाकात के अंत में मंत्री श्री यादव ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे निडर होकर अपने सपनों का पीछा करें। उन्होंने कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने के लिए सरकार निरंतर योजनाएँ बना रही है और उनके सफल क्रियान्वयन हेतु समाज के सहयोग की भी आवश्यकता है।

उन्होंने कहा हर विद्यार्थी अपने जीवन में एक उद्देश्य निर्धारित करे और उसे प्राप्त करने के लिए ईमानदारी से प्रयत्न करे। यही सच्ची शिक्षा है।

घर की छत से मिल रही ऊर्जा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना ने आम नागरिकों के जीवन में बचत, सुविधा और स्थायी ऊर्जा के नए अवसर खोले हैं।

जिले के पत्थलगांव निवासी बालेश्वर यादव ने इस योजना का लाभ लेकर अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित किया है। हर महीने लगभग 5,000 का बिजली बिल देने वाले श्री यादव का बिल अब लगभग शून्य हो गया है। इसके अतिरिक्त, उपयोग से बची हुई बिजली को ग्रिड में बेचकर उन्हें प्रतिमाह आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है। श्री यादव ने बताया कि सोलर सिस्टम लगने से अब बिजली कटौती या बढ़ते बिल की चिंता नहीं रहती। इस योजना से वे अपनी आवश्यकता की बिजली स्वयं उत्पन्न कर रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रहे हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाने के लिए लोगों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है। पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के खाते में जमा की जा रही है।

वनमंत्री ने 48 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

हर गांव में दिखेगा विकास का नया रूपः केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर विकासखंड के ग्राम चमिया में 48 लाख रुपए से अधिक की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। यह कार्य ग्रामीण इलाकों में सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए किए जा रहे हैं।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार हर गाँव तक विकास पहुँचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन की सरकार में मातृशक्ति को विशेष सम्मान मिला है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि ग्राम पंचायत चमिया में 30 लाख रुपए की लागत से 'महतारी सदन' का निर्माण किया जाएगा। यह भवन महिलाओं के लिए

सशक्तिकरण का केंद्र बनेगा, जहाँ स्व-सहायता समूहों की महिलाएँ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी और रोजगार के नए अवसर पाएंगी। इसके अलावा, ग्राम बड़े अलनार में 6.10 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण और छोटे अलनार में 12.40 लाख रुपए की लागत से उचित मूल्य दुकान भवन का निर्माण किया जाएगा। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि महतारी सदन केवल एक भवन नहीं, बल्कि महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रतीक है।

उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे इन कार्यों की गुणवत्ता और समय पर पूर्णता सुनिश्चित करने में सहयोग दें। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य निर्देश दिवान, अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने दीपावली के पहले सभी नगरीय निकायों में कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्रालय, संचालनालय और सूडा की टीम को बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करते हुए लेट-लतीफी से बचने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ धरातल पर नजर आने चाहिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संयुक्त सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव भी समीक्षा बैठक में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय निकायों में विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने गोधाम योजना के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हरित आवरण बढ़ाने हेतु एक समग्र

कार्ययोजना तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने इसके लिए राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत राशि आबंटित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी भी नियुक्त करने को कहा।

समीक्षा बैठक में नगरीय निकायों के लंबित विद्युत देयकों की समीक्षा की गई। श्री साव ने एनजीं बिल ऑडिट की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए प्राप्त सुझावों के त्वरित क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने सरचार्ज एवं अतिरिक्त भार से होने वाले आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए निकायों के सीएमओ, लेखापाल व अभियंताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए। श्री साव ने बैठक में नवगठित नगरीय निकायों को आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के लिए अधोसंरचना मद, चुंगी कर अथवा अन्य स्त्रोतों से राशि स्वीकृत कर कार्य कराने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने नवीन निकायों को शीघ्र आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने नालंदा परिसरों, अटल परिसरों तथा बजट में शामिल अन्य योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों को सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा भरपूर राशि प्रदान की जा रही है, अतः सभी अधिकारी योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को इनका शीघ्र लाभ मिल सके।

बैठक में नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति, रिक्त पदों पर भर्ती, वर्गीकरण तथा सेट-अप रिवीजन पर भी विस्तृत चर्चा हुई। उप अभियंताओं की भर्ती हेतु वित्त विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। श्री साव ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत 21 नगरीय निकायों की जलप्रदाय योजनाओं एवं एसटीपी निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीपीआर एवं आरएफ्मी कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा। उन्होंने मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत चल रहे कार्यों की निकायवार समीक्षा कर जिला कलेक्टरों के माध्यम से निर्माण में आ रही बाधाएं दूर कर कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

उप मुख्यमंत्री ने नगरीय निकायों की चल-अचल संपत्ति, मशीनरी, वाहनों आदि की ऑडिट कर अद्यतन स्थिति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यावसायिक परिसरों एवं दुकानों के नियमानुसार सुचारू संचालन के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने मुक्तिधामों को समुचित सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए शवदाह हेतु शेड, प्रतीक्षालय, पेयजल, गार्ड कक्ष, बाउंड्रीवाल आदि निर्माण के लिए सूडा की राज्य प्रवर्तित योजना से राशि आबंटित करने के निर्देश दिए।

राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के सीईओ शशांक पाण्डेय, अतिरिक्त सीईओ दुष्यंत कुमार रायस्त, उप सचिव डॉ. ऋतु वर्मा, अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य और मुख्य अभियंता राजेश शर्मा भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

मयाली नेचर कैम्प में ऑनलाइन बुकिंग सुविधा प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले के कुनकुरी परिक्षेत्र अंतर्गत स्थित मयाली नेचर कैम्प अपनी प्राकृतिक सुंदरता एवं मनोहारी परिवेश के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह क्षेत्र घने वनों से आच्छादित है। यह क्षेत्र जशपुर जिले को प्रकृति द्वारा मिला एक अनुपम उपहार है। मयाली नेचर कैम्प देवबोरा एवं मयाली ग्राम के मध्य स्थित है। यह स्थल पारिवारिक भ्रमण, मित्रों के साथ अवकाश व्यतीत करने तथा साहसिक गतिविधियों के शौकीनों के लिए लंबी दूरी की पैदल यात्राओं हेतु अत्यंत उपयुक्त है।

पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मयाली नेचर कैम्प में ऑनलाइन गेट मनी बुकिंग सुविधा प्रारंभ की गई है। इस सुविधा के माध्यम से पर्यटक अब अपने भ्रमण हेतु ऑनलाइन टिकट प्राप्त कर सकेंगे। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस ऑनलाइन सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और मयाली नेचर कैम्प की प्राकृतिक सौंदर्यता का आनंद लें।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

दोहरे हत्याकांड का खुलासा, पैसे के लिए टोका, तो पड़ोसी ने ले ली जान

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। जिले के ग्राम रोड अतरिया में पति-पत्नी की बेरहमी से हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भगवती मरकाम को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। शुरुआती जांच में पता चला कि हत्या 10,000 रुपये की उधारी और अपमानजनक टिप्पणियों के कारण की गई। घटना 10 अक्टूबर की सुबह करीब 6:30 बजे हुई। ग्राम रोड अतरिया के ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी कि गांव के बाबूलाल सोरी (पेशे से शिक्षक) और उनकी पत्नी सुन्ती बाई की घर में हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही थाना गंडई पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस निरीक्षण में पाया गया कि घर का दरवाजा अंदर से बंद था और कुत्ता जोर-जोर से भौंक रहा था। पड़ोसी दिनेश जंघेल ने बताया कि घर की बिजली और सीसीटीवी कैमरे की लाइट बंद थी। शक होने पर झांका तो अंदर गांव का ही भगवती मरकाम दिखाई दिया, जो देखकर भागने लगा। ग्रामीणों ने आरोपी का पीछा कर उसे पकड़ लिया। घर के अंदर प्रवेश करने पर आंगन में सुन्ती बाई और बरामदे में बाबूलाल सोरी की खून से लथपथ लाशें पड़ी थीं। दोनों के सिर पर गंभीर चोटें दिखाई दे रही थीं।

पुलिस पूछताछ में भगवती मरकाम ने अपना जुर्म स्वीकार किया। उसने बताया कि उसने बाबूलाल सोरी से 10,000 रुपये उधार लिए थे, जिसे वह चुका नहीं पा रहा था। इस बात को लेकर बाबूलाल बार-बार उसे टोका और अपमानित किया। इसी नाराजगी चलते उसने हत्या की साजिश रची और आरोपी ने घटना वाले दिन सुबह करीब 4 बजे घर में दाखिल होकर बिजली की लाइन काटी और छत पर रखे लकड़ी के पट्टे से सुन्ती बाई और बाबूलाल सोरी की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 356/2025, धारा 103 (1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

हॉस्टल में घुसकर मारपीट, बाहरी लड़कों ने की गुंडागर्दी

रायपुर। रायपुर साइंस कॉलेज के हॉस्टल में घुसकर बाहरी लड़कों ने गुंडई की और तोड़फोड़ करते कई स्टूडेंटस पर हमला किया। इस वारदात के बाद स्टूडेंटस ने आधी रात सरस्वती नगर थाने का घेराव किया है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है, गुंडई करने वाले बदमाश युवकों की तलाश में जुट गई है। बता दें कि रायपुर साइंस कॉलेज के हॉस्टल में हुई इस वारदात से हड़कंप मचा हुआ है, बात मंत्री तक जा पहुंची है, स्टूडेंटस की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे है। क्योंकि रायपुर साइंस कॉलेज में राज्य के कोने कोने के होनहार छात्र पढ़ाई करते है, और तरह की वारदात होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठना जायज है।

अंधे कत्ल का खुलासा, दोस्त ने कि दोस्त की हत्या पहचान छुपाने जलाया था शव, 2 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में जले हुए शव मिलने के मामले की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मृतक की शिनाख्त 17 वर्षीय सिद्धार्थ भतपहरी के रूप में हुई। पुलिस की जांच में पता चला कि सिद्धार्थ की हत्या उसके इंजीनियर दोस्त तरुण शुक्ला ने की थी। यह वारदात इसलिए हुई क्योंकि कुछ दिन पहले सिद्धार्थ ने तरुण को थप्पड़ मार दिया था। हत्या के बाद पहचान छिपाने के लिए तरुण ने शव को जला दिया। पुलिस ने इस मामले में तरुण शुक्ला और उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, एक आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा और आपराधिक घटनाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत दें। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हत्या की

इस योजना में तरुण ने पहले सिद्धार्थ को शराब के बहाने अकेला बुलाया और फिर अपने दोस्तों की मदद से हत्या की। पुलिस ने घटना स्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज का भी अध्ययन किया है, जिससे हत्या की योजना और आरोपियों की भूमिका स्पष्ट हुई।

मंदिर हसौद थाना पुलिस के अनुसार घटना के बाद तुरंत फोरेंसिक जांच और मोबाइल ट्रैकिंग की गई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने हत्या और शव को जलाने की वारदात स्वीकार की है। पुलिस ने मौके से हत्या में प्रयुक्त बीयर की बोतल, पत्थर और पेट्रोल भी जप्त किया। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। दो आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और एक अब भी फरार है। पुलिस पूरे मामले की तह तक जाने और न्याय सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस घटना ने यह दिखाया है कि पुरानी रंजिश और छोटी सी विवाद भी हत्या जैसे गंभीर अपराध में बदल सकते हैं। पुलिस ने कहा कि भविष्य में ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी को और मजबूत किया जाएगा।

मन में बदला लेने ठाना और कर दिया यह कांड

2 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे सिद्धार्थ और तरुण के बीच झगड़ा हुआ था। इस झगड़े के बाद तरुण ने मन में बदला लेने का फैसला किया। फिर 8 अक्टूबर की शाम को तरुण ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर सिद्धार्थ को शराब पीने के बहाने बुलाया। तीनों उसे जिंदल स्टील प्लांट के पीछे जंगल की ओर ले गए। शराब पीते समय उनके बीच फिर झगड़ा हुआ। गुस्से में आकर तरुण ने बीयर की बोतल से सिद्धार्थ के सिर और गले पर कई बार वार किया। जब सिद्धार्थ जमीन पर गिर पड़ा, तब आरोपियों ने पत्थर से उसका सिर कुचलकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव की पहचान छिपाने के लिए तरुण ने पेट्रोल खरीदा और रात में शव पर आग लगा दी।

अगली सुबह राहगीरों ने आधा जला हुआ शव देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस की फोरेंसिक टीम ने मौके से बीयर की बोतल, पत्थर और पेट्रोल का डिब्बा बरामद किया। जांच में यह भी पता चला कि सिद्धार्थ को आखिरी बार तरुण के साथ देखा गया था। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन और पूछताछ के आधार पर तरुण शुक्ला और उसके साथी को गिरफ्तार किया। मंदिर हसौद पुलिस ने कहा कि मामले की पूरी जांच जारी है और फरार आरोपी को जल्द पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

विधवा महिला से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। विधवा महिला के साथ अनाचार करने वाले आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया है। आरोपी ने मायके जा रही महिला का रास्ता रोका, फिर जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। दरअसल, 10 अक्टूबर को थाना नारायणपुर क्षेत्र की 36 वर्षीय पीड़ित प्रार्थिया ने सोनक्यारी चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी शादी थाना नारायणपुर क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। उसके पति की मृत्यु हो गई है और उसके दो बच्चे भी हैं।

9 अक्टूबर को अपने कुछ काम से पैदल जंगल के रास्ते होते हुए अपने ससुराल से चौकी सोन क्यारी अपने मायके आ रही थी। इसी दौरान रास्ते में आरोपी निलेश राम भगत अचानक पीछे से प्रार्थिया के बाल को खींचकर उसे पटक दिया तथा घसीटकर झाड़ी में ले गया। उन्होंने प्रार्थिया के कपड़े को खींचकर फेंक दिया व उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के चिल्लाने पर आरोपी द्वारा पास में पड़े पत्थर को उठाकर मारने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान पीड़ित प्रार्थिया के आवाज को सुनकर गांव की एक लड़की आई, जिसे देखकर आरोपी निलेश राम भगत भाग गया।

पीड़ित प्रार्थिया की रिपोर्ट पर मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल चौकी सोनक्यारी में आरोपी निलेश राम भगत उम्र 22 वर्ष के विरुद्ध दुष्कर्म के लिए बीएनएस की धारा 64 (1) व 115(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया व पीड़ित प्रार्थिया का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया। पुलिस के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी निलेश राम भगत को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी निलेश राम भगत के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयास अपराध सबूत पाए जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि जशपुर पुलिस महिलाओं से संबंधित अपराध को लेकर अत्यंत संवेदनशील है, चौकी सोन क्यारी क्षेत्रांतर्गत एक दुष्कर्म के मामले में, पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा है। महिलाओं से संबंधित अपराध में संलिप्त किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

युवक की हत्या, नाबालिग सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। करवा चौथ के दिन पंचशील नगर बिजली आफिस के पास हुई हत्या के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शराब और सिगरेट के नाम पर हुए विवाद के बाद युवक की हत्या कर दी गई। दूसरे दिन शनिवार की सुबह खून से लथपथ लाश मिलने के बाद पुलिस ने जांच की। कोतवाली दुर्ग पुलिस ने इस मामले में पंचशील नगर निवासी साहिल टंडन उर्फ भोको और भुवन साहू सहित एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है।

बता दें 11 अक्टूबर की सुबह करीब 08 :00 बजे पंचशील नगर बिजली ऑफिस के सामने एक अज्ञात व्यक्ति के शव की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर काले कलर की एक्टीवा गिरी हुई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव

की शिनाख्त अनिल यादव के रूप में की। अज्ञात द्वारा मारकर सिर मे गंभीर चोट पहुंचाकर हत्या की गई। इस मामले में प्रार्थी भरत यादव पिता शिव प्रसाद यादव निवासी शिव पारा विजय दाल मील के पिछे वार्ड नं. 33 दुर्ग ने थाना रिपोर्ट दर्ज कराया। उसने बताया कि अनिल यादव 10 अक्टूबर 2025 के रात्रि करीब 11:00 बजे अपनी स्कूटी में घर से बिना बताये निकला था जो रात्रि घर नहीं आया। रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में अपराध क्रमांक 490/2025 धारा 103(1) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। प्रकरण में अज्ञात आरोपी के पतासाजी हेतु तत्काल टीम गठित कर रवाना किया गया। आरोपी पतासाजी क्रम में क्षेत्र में लगे आस-पास सीसीटीव्ही फूटेज को चेक की जाकर अज्ञात आरोपी की पतासाजी की जा रही थी इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिलने पर 03 संदेहियों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पृथक-पृथक पूछताछ किया गया जो अपने कथन में शराब और सिगरेट पीने की बात को लेकर आवेश में आकर मृतक से वाद-विवाद कर हत्या करने की नियत से पास में पड़े पत्थर एवं बल्ली से मारकर गंभीर चोट पहुंचाया जिससे उसकी मौत हो गई। अनिल यादव को मृत अवस्था में छोड़कर वहां से भाग गए।

प्रकरण के दो आरोपीगण साहिल टंडन उर्फभोको, भुवन साहू एवं एक अपचारी बालक को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। उक्त कार्रवाई में उनि प्रताप सिंह ठाकुर, सउनि रामकृष्ण तिवारी, प्र.आर. आबिद खान, अजय विश्वकर्मा, आरक्षक केशव कुमार, विकास तिवारी, प्रशांत पाटनकर, कमलकांत अंगूरे, सुरेश जायसवाल की सराहनीय भूमिका रही।

राजधानी में खूनी खेल : प्रेमी ने प्रेमिका के भाई को मारा चाकू, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र के फोकटपारा इलाके में शुक्रवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब एक नाबालिग लड़के ने अपनी प्रेमिका के भाई पर चाकू से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि बहन से बातचीत और मिलने-जुलने से मना करने पर आरोपी नाबालिग ने गुस्से में यह कदम उठा लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेजने की तैयारी शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी नाबालिग ने देवेंद्र नगर के फोकटपारा में संतोषी सोनी नामक युवक को रोककर चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवक के पेट और हाथ में गंभीर चोटें आईं। आसपास के लोगों ने तुरंत बीच-बचाव किया और घायल को अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार घायल की हालत अब स्थिर है, लेकिन उसे कुछ दिनों तक निगरानी में रखा जाएगा।

बताया जा रहा है कि संतोषी सोनी ने कुछ दिन पहले आरोपी के घर जाकर उसके परिजनों से शिकायत की

थी कि वह उसकी बहन को बहला-फुसलाकर गलत रास्ते पर ले जा रहा है। इसी बात से नाबालिग आरोपी नाराज हो गया और बदला लेने की ठान ली और संतोष सोनी पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में उसे पकड़ लिया। देवेंद्र नगर थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान के आधार पर आरोपी नाबालिग की पहचान की गई और उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया है। पुलिस ने चाकू भी बरामद कर लिया है।

क्या है पूरा मामला

मिली जानकारी के अनुसार, फोकटपारा निवासी संतोषी सोनी नामक युवक ने हाल ही में अपनी बहन से संबंधित एक नाबालिग लड़के के खिलाफ आपत्ति जताई थी। युवक को पता चला था कि वह नाबालिग उसकी बहन से लगातार बातचीत और मुलाकात कर रहा है। इस पर उसने अपनी बहन को समझाया और नाबालिग को चेतावनी दी। बताया जा रहा है कि इस बात से नाबालिग नाराज हो गया और उसने युवक को सबक सिखाने की नीयत से हमला करने की योजना बनाई।

'रानी असल में साहिल', सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर ठगी, पुलिस ने खोला राज, 11 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत कार्रवाई करते हुए जमशेदपुर (झारखंड) और बिलासपुर (छत्तीसगढ़) से 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 36 मोबाइल फोन और अन्य सामग्री जब्त की गई है। जांच में सामने आया कि ये गैंग बीते दो वर्षों से फर्जी कॉल सेंटर चलाकर देशभर के हजारों लोगों को धोखा दे रहा था।

आरोपी इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब पर महिलाओं की तस्वीर लगाकर 262 फर्जी आईडी बनाते थे। इन आईडी से नकली मोबाइल नंबर शेयर किए जाते थे। विवाह में इच्छुक लोग जब इन नंबरों पर कॉल करते, तो उन्हें फर्जी बायोडाटा, पता और नंबर भेजकर रकम ऐंठ ली

जाती। रकम म्यूल बैंक अकाउंट के जरिए ट्रांसफर कराई जाती थी।

पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देश पर साइबर अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। साइबर क्राइम पोर्टल पर रिपोर्टेड म्यूल बैंक अकाउंट की जांच में HDFC बैंक के 79 खातों में संदिग्ध लेनदेन पाए गए, जिस पर थाना डीडी नगर में अपराध दर्ज कर रेंज साइबर थाना रायपुर द्वारा विवेचना शुरू की गई। पहले चरण में 4 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी थी। उनकी पूछताछ और मोबाइल विश्लेषण से अन्य साथियों के नाम सामने आए। इसके बाद जमशेदपुर में 3 और बिलासपुर में 8 आरोपियों को दबोच लिया गया।

पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में कई अन्य नाम भी सामने आए हैं, जो फर्जी आईडी बनाने और म्यूल बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने में शामिल थे। इस गैंग के नेटवर्क को तोड़ने के लिए व्यापक जांच जारी है और सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जाएगा।

गिरफ्तार आरोपी में शुभम दास (26 वर्ष) जमशेदपुर झारखंड, लक्ष्मण गोप (29 वर्ष) जमशेदपुर झारखंड, असित पातर (24 वर्ष) जमशेदपुर झारखंड, सूरज कुमार पटेल (21 वर्ष) बिलासपुर, सुखसागर कैवर्त (22 वर्ष) बिलासपुर, मानसु डाहिरे (21 वर्ष) बिलासपुर, अनिकेत कुलदीप (20 वर्ष), रायगढ़ हाल बिलासपुर, करण पुष्पकार (22 वर्ष) बिलासपुर, रमाकांत गंधर्व (22 वर्ष) कबीरधाम, सिराज खान (20 वर्ष) बिलासपुर, त्रियम्बक कुमार भास्कर उर्फ बाबू (27 वर्ष), कोरिया हाल बिलासपुर शामिल है।

रेलवे ट्रैक में शिक्षक का मिला शव

कोरबा। जिले में रविवार रात रेलवे ट्रैक पर टीचर का क्षत विक्षत अवस्था में शव मिला। सिर धड़ से कटकर दूर पड़ा था। जबकि बॉडी कई हिस्सों में बंट गए थे। घटना कुसमुंडा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, संतोष नायर (50) दीपका ऊर्जा नगर के रहना वाला था। वह बीकन इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाता था। करीब दो साल पहले परिवार के साथ केरल से कोरबा आया था। हालांकि, अभी तक मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। दरअसल, रविवार रात गेवरा रोड रेलवे स्टेशन के पास कुछ लोगों ने ट्रैक पर शव देखा। उन्होंने तत्काल मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कुसमुंडा थाना और आरपीएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद मृतक की पहचान संतोष नायर के रूप में हुई। बाद में उसके परिजनों को मामले की जानकारी दी गई। जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। जिसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शासन | सत्यमेव जयते

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

डबल इंजन की सरकार में

विकास एक्सप्रेस

रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना
के साथ रेल नेटवर्क मैप से जुड़
रहा बस्तर

PM JANMAN

पीएम जनमन योजना
के साथ जनजाति समुदाय का
हो रहा विकास

बोधघाट परियोजना
दक्षिण छत्तीसगढ़ में बोधघाट
परियोजना बनेगी हरियाली और
समृद्धि का वरदान

महतारी वंदन
से महिलाओं को संबल

समृद्ध किसान
किसानों को बकाया बोनस, पीएम
किसान सम्मान निधि का भी लाभ

पी एम आवास
26 लाख से अधिक परिवारों
को अपना पक्का आवास

जगदलपुर- विशाखापत्तनम
और रायपुर- विशाखापट्टनम
नई सड़क परियोजनाओं से विकास
की नई राहें

स्पष्ट नीति और मजबूत निर्णयों
के साथ सुशासन का राज

RO- 45524/1

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से
जुड़ने के लिए Q.R. Code
स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | DPRChhattisgarh | DPRChhattisgarh | www.dprcg.gov.in | छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950